Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

घटती घटना

अम्बिकापुर, वर्ष 19, अंक -104 सोमवार, 13 फरवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

दान देकर तुम्हें खुश होना चाहिए क्योंकि मुसीबत दान की दीवार कभी नहीं फांदती।
-हजरत मोहम्मद-

पीएम मोदी की टिप्पणी पर अवमानना नोटिस

लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी से मांगा जवाब

नई दिल्ली 12 फरवरी, 2023(ए)। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी से संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी टिप्पणी के संबंध में भाजपा द्वारा एक नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है।

लोकसभा सचिवालय ने 7 फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान भ्रामक, अपमानजनक, असंसदीय और भड़काऊ बयान देने के मामले में राहुल गांधी से जवाब मांगा है। राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और प्रह्लाद जोशी द्वारा दिए गए विशेषाधिकार हनन नोटिस पर जवाब मांगा है।

लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी से संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी टिप्पणी के संबंध में भाजपा द्वारा एक नोटिस का जवाब देने के लिए कहा गया है। राहुल गांधी ने इस

सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रपति के अभिभाषण के मोशन ऑफ थैंक्स पर एक बहस में भाग लेते हुए अरबपति गौतम अडानी के साथ उनके संबंधों पर सवाल उठाते हुए पीएम मोदी पर निशाना साधा था। 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद अडानी की संपत्ति में जबरदस्त वृद्धि का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर क्रोनी पूंजीवाद का आरोप लगाया था।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि उनकी टिप्पणियां अवमाननापूर्ण, असंसदीय और भ्रामक थीं। पार्टी ने कांग्रेस शासित राजस्थान और अन्य विपक्षी शासित राज्यों में अडानी के व्यापारिक हितों की ओर भी ध्यान दिलाया। बुधवार को निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस देते हुए स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा। उनके नोट ने राहुल गांधी पर पीएम मोदी पर बिना किसी दस्तावेजी सबूत और सदन को गुमराह करने का आरोप लगाने का आरोप लगाया।

निशिकांत दुबे ने लिखा कि राहुल गांधी ने अपने बयानों के समर्थन में कोई विधिवत प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है। उन्होंने एक बयान दिया है जो किसी भी दस्तावेजी सबूत के अभाव में सदन को गुमराह करने जैसा है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा था कि नियम 380 के तहत राहुल गांधी द्वारा लगाए गए ÷असंसदीय, अपमानजनक आरोपों÷ को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाना चाहिए।

आज न्यायमूर्ति बिंदल व कुमार लेंगे न्यायाधीश की शपथ

नई दिल्ली 12 फरवरी, 2023(ए)। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ सोमवार को न्यायमूर्ति राजेश कुमार बिंदल और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाएंगे।

न्यायमूर्ति बिंदल और न्यायमूर्ति कुमार के कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही शीर्ष न्यायालय के लिए स्वीकृत कुल 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और गुजरात उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी थी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग ने 10 फरवरी को दोनों न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की थी।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने 31 जनवरी, 2023 को न्यायमूर्ति बिंदल और न्यायमूर्ति कुमार को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की भी सिफारिश की थी। शीर्ष अदालत में इससे पहले गत छह फरवरी को न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति संजय करोल, न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने न्यायाधीश के पद की शपथ ली थी।

संक्षिप्त समाचार

चार राज्यों की हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2023(ए)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को ट्वीट करके चार राज्यों की हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति की जानकारी दी। इन चारों में गुजरात हाईकोर्ट की जज सोनिया गिरिधर गोकनी को इसी उच्च न्यायालय में चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है। इनके अतिरिक्त राजस्थान हाईकोर्ट के जज संदीप मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट, ओडिशा हाईकोर्ट के जज जसवंत सिंह को त्रिपुरा हाईकोर्ट, गुवाहाटी हाईकोर्ट के जज जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया।

भूस्खलन से चंडीगढ-मनाली नेशनल हाईवे बंद

मंडी, 12 फरवरी, 2023(ए)। चंडीगढ-मनाली नैशनल हाईवे पर जिला मंडी के पंडोह रास्ते पर 4 मील के पास भूस्खलन के कारण रास्ता बंद हो गया है। जानकारी के अनुसार दोपहर 1 बजे एकाएक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा एनएच पर आ गिरा, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। गनीमत यह रही कि कोई जानमाल का नुक्सान नहीं हुआ है। एमसी कम्पनी के सेफ्टी इंजीनियर कमल गौतम ने बताया कि खतरे को पहले ही भांप लिया गया था। उस जगह पर कार्य में लगी मशीन पर कर्मचारियों को पहले ही हटा दिया गया था और ट्रैफिक भी रोक दी गई थी।

मोदी ने किया देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे के पहले चरण का उद्घाटन

अब दिल्ली से जयपुर का सफर साढ़े 3 घंटे में होगा,

दौसा, 12 फरवरी, 2023 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे बड़े एक्सप्रेस-वे के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया है। उन्होंने राजस्थान में दौसा के धनावड़ गांव से 8 लेन वाला दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे देश को सौंपा। इस दौरान अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि यह विकसित होते भारत की भव्य तस्वीर है। जब ऐसी आधुनिक सड़कें बनती हैं तो देश की प्रगति को गति मिलती है। देश का सबसे बड़ा दिल्ली बड़ोदरा मुंबई ग्रीन एक्सप्रेसवे कई मायनों में सबसे अलग है।

इस एक्सप्रेस वे पर आप अपने फोर व्हीलर को 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चला सकते हैं। यही नहीं इस एक्सप्रेस वे पर इतनी स्पीड में चलने वाले वाहनों के बीच की दूरी सामान्य एक्सप्रेस वे की तुलना में चार गुना ज्यादा रखी गई है। यानी हाई स्पीड में चलने वाले वाहनों के बीच ढाई सौ मीटर की दूरी होना जरूरी है। 1,386 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस-वे का पहला खंड 246 किलोमीटर लंबा है। दिल्ली-दौसा-लालसोट के बीच का यह खंड दिल्ली से जयपुर की यात्रा को आसान करेगा। इसके बनने के बाद दिल्ली से जयपुर का पांच घंटे का सफर महज साढ़े तीन घंटे में पूरा हो सकेगा। इस एक्सप्रेस-वे के पूरा होने के बाद दिल्ली से मुंबई तक का सफर 24 घंटे से घटकर 12 घंटे का हो जाएगा। इसके अलावा एक्सप्रेसवे के बीच पड़ने वालों शहरों की दूरी भी अब आसान हो जाएगी।

मौलाना मदनी के विवादास्पद बयान पर बवाल

जैन मुनि समेत कई धार्मिक नेताओं ने विरोध में स्टेज छोड़े

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2023 (ए)। यहां रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन के मंच पर रविवार को बवाल हो गया। दरअसल मौलाना अरशद मदनी ने मोहन भागवत की आलोचना करते हुए कहा कि अल्लाह और ओम् एक हैं। इस बयान के विरोधस्वरूप जैन मुनि ने मंच छोड़ दिया। मदनी ने मोहन भागवत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि हमारे मजहब में दखल क्यों दिया जाता है, हमारा सबसे पहला नबी मनु यानी आदम है।

मदनी ने कहा कि तुम्हारा पूर्वज हिन्दू नहीं था, तुम्हारा पूर्वज मनु था यानी आदम था। मदनी बोले अल्लाह ने इसी धरती पर मनु यानी आदम को उतारा है, जिसकी पत्नी हव्वा है जिनको तुम हेमवती कहते हो। ये हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सबके पूर्वज हैं। मदनी के बयान पर जैन गुरु लोकेश मुनि ने स्टेज पर खड़े होकर विरोध जताया। बयान से नाराज कई लोगों ने तुरंत ही मंच छोड़ दिया। मौलाना मदनी के बयान का जैन मुनि लोकेश ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन लोगों को जोड़ने के लिए हो रहा है। ऐसे में इस तरह का बयान कहां जायज है। मुनि लोकेश ने मंच पर यह बात कही। इसके बाद वे कार्यक्रम से उठकर चले गए। उनके बाद दूसरे धर्मों के संतों ने भी कार्यक्रम छोड़ दिया।

शिवभक्तों के लिए भारतीय रेलवे लाया खास तोहफा, कम पैसों में करें 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2023(ए)। महाशिवरात्रि 18 फरवरी को है और शिवभक्तों के लिए भारतीय रेलवे खास तोहफा लाया है। यह तोहफा है कम पैसों में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का। रेलवे की तरफ से महाशिवरात्रि नव ज्योतिर्लिंग यात्रा नामक पैकेज में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, ग्रिश्नेश्वर ज्योतिर्लिंग, औंढा नागनाथ ज्योतिर्लिंग, परली वैजनाथ ज्योतिर्लिंग, मल्लिकार्जुन स्वामी ज्योतिर्लिंग के दर्शन करवाए जाएंगे। यह टूर 13 और 12 रात का है। टूर की शुरुआत मदुरई से होगी। पैकेज का बोर्डिंग प्वाइंट है तिरुनेलवेली, मदुरै, डिंडीगुल, इरोड, सलेम, जोलारपेट्टई, काटपाडी, पेरम्बूर, नेल्लोर।पैकेज का शुल्क- 5,350 रुपये है। इस पैकेज के जरिए आप 8 मार्च 2023 से लेकर 20 मार्च 2023 तक इन सभी जगहों की यात्रा करेंगे। पैकेज में आपको ट्रेन में स्लीपर कोच से यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। आपको हर जगह ठहरने के लिए उचित व्यवस्था मिलेगी।

ऑपरेशन दोस्त : भारत ने तुर्की, सीरिया के लिए राहत सामग्री के साथ सातवीं उड़ान भेजी

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2023(ए)। सीरिया और तुर्की के लिए भूकंप राहत प्रयासों के लिए राहत सामग्री, जरूरी सामान, आपातकालीन और क्रिटिकल केयर दवाएं लेकर भारत से सातवां विमान भेजा गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, शनिवार की शाम को भूकंप राहत सामग्री और उपकरण एक अन्य आईएएफ सी-17 विमान से सीरिया और तुर्की भेजे गए। दमिश्क में राहत सामग्री उतारने के बाद, उड़ान अडाना की ओर जाएगी।

अधिकारी ने कहा, उड़ान में 35 टन मानवीय सहायता, राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन और महत्वपूर्ण देखभाल दवाएं, चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि भारतीय टीमें भूकंप प्रभावित तुर्की में राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत दिन-रात काम कर रही हैं।

त्रिपुरा में चुनाव के बीच 10 देशी बमों की बरामदगी से तनाव

अगरतला, 12 फरवरी, 2023 (ए)। त्रिपुरा के रामनगर निर्वाचन क्षेत्र के गोलचक्कर इलाके से शनिवार की रात बरामद किए गए 10 देशी बमों को रविवार को निष्क्रिय कर दिया गया लेकिन बमों की बरामदगी से आस-पास के इलाकों में तनाव व्याप्त है। इस संबंध में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान राजधानी अगरतला के सीमावर्ती राजनगर निवासी आमिर हुसैन के रूप में हुई है। अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ-सदर) अजॉय कुमार दास ने कहा कि जांच जारी है और दोषियों पर जल्द ही मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस गैर-घातक बमों के स्रोत की तलाश कर रही है और माना जा रहा है कि इन्हें इलाके में तनाव पैदा करने के लिए इकट्ठा किया गया होगा। बमों की बरामदगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार के तुरंत बाद और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के आगमन से कुछ घंटे पहले हुई थी। इस बरामदगी ने पूरे शहर में तनाव की स्थिति पैदा कर दी है।

पुलिस रिपोर्टों के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की चुनावी रैली के तुरंत बाद शनिवार रात मजलिशपुर निर्वाचन क्षेत्र के रानीरबाजार इलाके में कम से कम पांच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी समर्थकों को बेरहमी से पीटा गया और पार्टी कार्यकर्ताओं के कई घरों में आग लगा दी गई। सरमा निवर्तमान सरकार के सूचना मंत्री सुशांत चौधरी के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित किया था।

माकपा नेता पवित्रा कर ने आरोप लगाया,÷असम के मुख्यमंत्री और सुशांत चौधरी ने भाजपा की हार के डर से अपने कार्यकर्ताओं को विपक्षी दलों के खिलाफ भड़काया है। इससे पहले, कई मौकों पर, मंत्री को हिंसा में शामिल पाया गया है और उनके नेतृत्व में, चुनाव घोषणा के दिन उनके निर्वाचन क्षेत्र में तीन जगहों पर कांग्रेस की रैली पर हमला किया गया जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव डॉ अजॉय कुमार के साथ 30 लोगों पर हमला किया गया था। लेकिन इसके बावजूद चुनाव आयोग (ईसीआई) चौधरी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।÷ बाद में उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के बदमाशों ने पास के खैरपुर इलाके में माकपा की जनसभा में गड़बड़ी की और केंद्रीय बलों ने स्थिति को कुछ हद तक नियंत्रित किया लेकिन स्थानीय पुलिस की ओर से उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई शुरू नहीं की गई। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग त्रिपुरा में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने का आश्वासन देता रहा है, लेकिन जमीनी स्थिति इसके विपरीत संकेत दे रही है।अधिकांश क्षेत्रों में चुनाव मशीनरी सत्तारूढ़ भाजपा के लिए खुले तौर पर काम कर रही है और विपक्षी कार्यकर्ताओं को लगातार धमकाया जा रहा है।

माकपा नेता ने कहा,÷हम सूचीबद्ध अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, खासकर मजलिसपुर, मोहनपुर, खैरपुर, सूर्यमणिनगर, सोनमुरा, विशालगढ़, बेलोनिया और हृश्यमुख निर्वाचन क्षेत्रों में तथा उन क्षेत्रों के कमांडिंग पुलिस अधिकारियों को बदलने की मांग कर रहे हैं लेकिन चुनाव अधिकारी भाजपा के दबाव के बाद मामलों की अनदेखी करते पाए जाते हैं।

चमोली के लामबागड़ में ग्लेशियर खिसकने से हड़कंप, पहाड़ों पर हो भारी बर्फबारी

चमोली, 12 फरवरी, 2023(ए)। लामबगड़ में ग्लेशियर खिसकने की तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर 400 मेगावाट की जल विद्युत परियोजना की बेराज साइड लामबगड़ की है, जिस समय ये ग्लेशियर की हवा और बर्फ खिसकी काफ़ी अफरा तफरी मच गई।

इन दिनो पहाड़ में भारी बर्फबारी हो रही है जिससे ग्लेशियर खिसकने का सिलसिला जारी है। हाल ही में मलारी में भी ऐसी घटना हो चुकी है पहाड़ों में भारी बर्फबारी के बाद अब ग्लेशियर खिसकना शुरू हो गया। बदरीनाथ हाइवे पर भी बदरीनाथ हाइवे पर 3 ग्लेशियर प्वाइंट है जहां पर हर साल ग्लेशियर या अबलांच आता रहता है हालाकि इस घटना सेकोई नुकसान नही हुआ है।

असम में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

रिएक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता मापी गई

गुवाहाटी, 12 फरवरी, 2023(ए)। असम के नागांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिएक्टर स्केल पर 4.0 तीव्रता मापी गई। भूकंप 04:18 बजे आया, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने जानकारी देते हुए कहा कि असम के नागांव में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

इन दिनों भूकंप के झटके काफी महसूस किए जा रहे हैं। इससे पहले तुर्की में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जिसके बाद वहां अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों लोग घायल हो चुके हैं। वहीं, तुर्की के बाद शनिवार को गुजरात में भी धरती डोली थी। हालांकि इसकी तीव्रता ज्यादा नहीं थी, ऐसे में किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। झटके लगने के बाद काफी देर तक लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल रहा था।

इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के मुताबिक, शनिवार को गुजरात के सूरत जिले और उसके आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 3.8 थी। इस भूकंप का केंद्र सूरत के पश्चिम दक्षिण पश्चिम (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) से लगभग 27 किलोमीटर की दूरी पर था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घटना में किसी भी तरह का नुकसान नहीं हुआ। हाल ही में तुर्की में बड़ी घटना घटी थी, ऐसे में कुछ देर तक लोग डरे थे, लेकिन बाद में सभी शांत हो गए।

संपादकीय

नेपाल में भू-राजनीतिक होड़

चीन की बढ़ी ताकत और उसे नियंत्रित करने की अमेरिकी कोशिश ने दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को विश्व शक्ति समीकरणों का मुख्य मंच बना दिया है। इसके बीच छोटे से छोटे देश की अहमियत बन गई है। नेपाल को भी उसका फायदा मिल रहा है।

यह बात नेपाल के टीकाकार भी कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में आज उनके देश को जितना महत्त्व मिल रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। संभवतः इसकी वजह यही रही होगी कि पहले कभी दुनिया का यह हिस्सा भू-राजनीतिक होड़ का वैसा केंद्र नहीं था, जैसा इस समय बन गया है। चीन की बढ़ी ताकत और उसे नियंत्रित करने की अमेरिकी कोशिश ने दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया को विश्व शक्ति समीकरणों का मुख्य मंच बना दिया है। इसके बीच छोटे से छोटे देश की अहमियत बन गई है। नेपाल को भी फिलहाल उसका फायदा मिल रहा है, हालांकि लंबे समय इस क्षेत्र के हर देश के सामने यह तय करने की चुनौती आएगी कि वह किसके साथ है। फिलहाल नेपाल में कम्युनिस्ट प्रभाव वाली सरकार बनने के बावजूद अमेरिका ने उसे अपने पाले में लाने की कोशिशों में कोई ढील नहीं दी है। जबकि आम धारणा है कि हालिया घटनाक्रम से स्थितियां चीन की तरफ झुकी हैं।

बहरहाल, अमेरिकी अधिकारियों का नेपाल दौरा पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मुताबिक जारी है। यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) की प्रशासक समांत पॉवर इस मंगलवार को यहां पहुंचीं। इसी बीच यह जानकारी सामने आई कि अगले हफ्ते अमेरिका की उप सहायक विदेश मंत्री आफरीन अख्तर यहां आएंगी। इसके कुछ दिन पहले ही अमेरिका की राजनीतिक मामलों की उप मंत्री विक्टोरिया नुलैंड ने काठमांडू की यात्रा की। उन्होंने यहां विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बातचीत की थी। उस दौरान उन्होंने नेपाल के नेताओं को आगाह किया कि पड़ोसी देशों से संबंध बनाते समय उन्हें सावधानी बरतनी चाहिए। खास कर ऐसा आर्थिक मामलों में करना चाहिए। स्पष्टतः नुलैंड का इशारा चीन की तरफ था। हाल ही में अमेरिकी पत्रिका फॉरेन पॉलिसी में छपे एक विश्लेषण में अमेरिकी रणनीति में नेपाल के बढ़ते महत्त्व की चर्चा की गई है। इसमें कहा गया कि चीन के साथ बढ़ती होड़ के कारण अमेरिका ने अपनी रणनीति में नेपाल को खास लक्ष्य बना लिया है। आम समझ है कि फॉरेन पॉलिसी पत्रिका में छपे विचार आम तौर पर अमेरिका की रणनीतिक सोच के अनुरूप होते हैं।

राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा का फल

राहुल गांधी और कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा समाप्त हुई। यात्रा 4000 किलोमीटर से अधिक रही। यदि जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष चंद्रशेखर की पदयात्रा को अतीत मान लिया जाए, तो इतना पैदल सफर किसी अन्य राजनीतिज्ञ ने तय नहीं किया। इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी की मानसिक दृढ़ता और इच्छा-शक्ति को जाता है। उन्होंने श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर तिरंगा फहराया। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान भी गाया। अंततः भारतीयता सम्मानित हुई। श्रीनगर में एकदम शांति और सद्भाव का माहौल लगा। कोई पत्थरबाजी नहीं की गई। हुर्रियत का 1 अलगाववाद समाप्त किया जा चुका था। आतंकवाद को भी कुचला जा रहा है। चारों ओर तिरंगा लहरा रहा था। पाकिस्तान का झंडा नदारद रहा। भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने जब 26 जनवरी, 1992 को लाल चौक पर तिरंगा फहराया था, तो चारों ओर बम, बारूद और बंदूकें ही थीं। अब माहौल पूरी तरह बदला है, राहुल गांधी को यह यथार्थ स्वीकार करना चाहिए और अनुच्छेद 370 पर विवादित बयान देने से बचना चाहिए। भारत की संसद ने यह निर्णय लिया था कि 370 को खारिज किया जाए। राहुल ने बार-बार यह उल्लेख किया है। कि भारत मुहब्बत और भाईचारे का देश है. लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस पर हिंसा और नफरत के लगातार आरोप भी मढ़े हैं। राहुल ने यह भी कबूल किया है कि यात्रा के दौरान उन्हें नफरत और हिंसा कहीं नहीं दिखाई दिए। इससे बड़ा यात्रा का विरोधाभास और क्या हो सकता है? उनकी यह टिप्पणी बिल्कुल गैर- जिम्मेदाराना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिंसा कराई। राहुल ने यह टिप्पणी कश्मीर में एक सार्वजनिक मंच से की, जिसका दुरुपयोग पाकिस्तान कर सकता है। सवाल है कि किन साक्ष्यों के आधार पर

देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ राहुल गांधी इस निष्कर्ष तक पहुंचे? किस अदालत में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक केस विचाराधीन है या कौन जांच कर रहा है? प्रधानमंत्री भी सामान्य कानून की परिधि में आते हैं। दरअसल यह राहुल की और कांग्रेस की मानसिक, पूर्वाग्रही धारणा हो सकती है। यदि राहुल कांग्रेस के शासन काल का इतिहास पढ़ें, तो परत दर परत सच सामने खुल जाएगा कि उस दौर में कितने दंगे हुए? कितने भारतीय मार दिए गए? कितना उग्र और व्यापक आतंकवाद था? सिर्फ भाजपा-संघ को कोस कर और खोखले आरोप मढ़ कर राहुल और कांग्रेस, किसी भी स्तर पर, देश को जोड़ नहीं सकते। पाखंड या दावे जरूर किए जा सकते हैं। बेशक इस तथ्य को स्वीकार न किया जाए, लेकिन यह राहुल गांधी के राजनीतिक ब्रांड की यात्रा थी। यह प्रभाव पैदा करने में राहुल और कांग्रेस सफल रहे हैं कि राजनीतिक तौर पर वह परिपक्व हो रहे हैं। अब वह पलायनवादी नहीं रहे। बेशक राहुल की छवि का विस्तार हुआ है, उसमें काफी सुधार हुआ है। यह भी सुखद संकेत है कि जहां से यात्रा गुजरती रही, वहां कांग्रेस का काडर सक्रिय दिखाई दिया। यानी कांग्रेस का संगठन अब भी जिंदा है, बेशक सुप्तावस्था में चला गया था। कांग्रेस अपने काडर को कितना जोड़ कर, सक्रिय और ज़िंदा रख पाती है, यह देखना अभी शेष है। लेकिन यात्रा के दौरान मिला चौतरफा समर्थन चुनावी जनादेश में परिणत होगा या नहीं, लोकसभा में सांसदों का आंकड़ा क्या होगा और 10 से अधिक राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहेगा, ये यथार्थ अभी सामने आने हैं ।

अजय दीक्षित

बिहार : आतंकवाद का खतरा

हिंडनबर्ग हंगामे के बीच बिहार से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के संदिग्धों की गिरफ्तारी सुर्खियां नहीं बन पाई।

हालांकि भारत की आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से यह महत्त्वपूर्ण घटना है। जैसी कि जानकारी है, बिहार के पूर्वी चंपारण यानी मोतिहारी जिले के कई स्थानों से छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। मामला कितना गंभीर होगा इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बिहार पुलिस की कार्रवाई के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) तो लगी थी ही, उत्तर प्रदेश पुलिस का आतंकवादी निरोधी दस्ता या एटीएस तथा इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी भी वहां पहुंचे।

पकड़ा गया एक संदिग्ध रियाज मारूफ पहले से ही सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था क्योंकि पिछले वर्ष पीएफआई के बिहार में सबसे खतरनाक मॉड्यूल, जिसे फुलवारी शरीफ-पटना मॉड्यूल कहा जाता है, में भी इसका नाम आया था। बिहार और देश की राजनीति में इस समय एक पक्ष सुरक्षा एजेंसियों की हर कार्रवाई पर संदेह की उंगली उठाता है, और इस मामले में भी ऐसा ही है। किंतु इस आधार पर हम पीएफआई जैसे कट्टरपंथी संगठनों के खतरे का मूल्यांकन नहीं कर सकते। यूपीए सरकार के समय एनआईए के आतंकवाद संबंधी दस्तावेज देखें तो आपको बिहार मॉड्यूल नामक शब्द मिलेगा। चाहे 2006 का मुंबई के उपनगरीय रेलवे का विस्फोट हो या वाराणसी के संकट मोचन मंदिर पर आतंकी हमला या उसके बाद दिल्ली में विस्फोट। ऐसी अनेक घटनाएं थीं जिनमें बिहार से जुड़े आतंकी सीधे तौर पर शामिल थे। दरभंगा से लेकर किशनगंज एवं पटना से जुड़े फुलवारी शरीफ के निवासियों की दूसरे राज्यों से गिरफ्तारियां हुई। यहां तक कि खूंखार आतंकी यासीन भटकल की शरणस्थली भी बिहार और उससे लगा नेपाल ही साबित हुआ। दुर्भाग्य से देश की स्मृति बहुत कमजोर है।

कोई घटना होती है तो हम छाती पीटते हैं, मीडिया, सोशल मीडिया पर कुछ समय अभियान चलता है, राजनीतिक नेताओं के वक्तव्य आते हैं, और फिर धीरे-धीरे सब शांत। जिन लोगों को पिछले वर्ष पीएफआई के पटना- फुलवारी शरीफ मॉड्यूल के सामने आने से हैरत हुई, उनको आतंकवाद के संदर्भ में बिहार की पृष्ठभूमि का ध्यान नहीं था। ऐसा होता तो कतई हैरत व्यक्त नहीं करते। हालांकि इससे बड़ी त्रासदी कुछ नहीं हो सकती कि पीएफआई मॉड्यूल के सामने आने के बावजूद देश ने बिहार को आतंकवाद के प्रमुख रडार पर मानने का व्यवहार नहीं दिखाया। आज भी बिहार की राजनीति में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है, जो मानते हैं कि पुलिस और एनआईए ने तिल का ताड़ बनाया। साफ हो गया है कि पीएफआई मॉड्यूल में अपना एक लक्ष्य बनाया था। उसमें आजादी के 100 वर्ष पूरा होने पर भारत को इस्लामिक राज में परिणत करना सर्वप्रमुख था। गजवा ए हिंद शब्द के उसके दस्तावेज में इसका सीधा उल्लेख था। इसके लिए वे जगह-जगह ट्रेनिंग भी दे रहे थे। उनकी योजना में दलितों और पिछड़ों को अंबेडकर के नाम पर भ्रमित करना भी शामिल था।

बावजूद सच देखते हुए बिहार के राजनेता और बुद्धिजीवियों का बड़ा तबका इसे खतरा मानने को तैयार नहीं तो उस पर किस प्रकार की टिप्पणी की जा सकती है। यह आत्मघाती व्यवहार है। बिहार की मौजूदा सरकार एवं संपूर्ण राजनीतिक प्रतिष्ठान को स्वीकार करना चाहिए कि उनका प्रदेश आतंकियों का केंद्र बन चुका है। राजनीतिक नेतृत्व की सोच के अनुसार ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां कार्रवाइयों की दिशा निर्धारित करती हैं। उनके जिम्मे सुरक्षा है, इसलिए राजनीतिक नेतृत्व की विचारधारा से परे भी कई बार कार्रवाइयां होती हैं। पर इनमें उस प्रकार की प्रखरता और तत्परता नहीं होती जैसी होनी चाहिए। वर्तमान बिहार ऐसी परिस्थिति से गुजर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा भाजपा का साथ छोड़ राजद से हाथ मिलाने के बाद की तस्वीर किसी तरह सामान्य नहीं मानी जा सकती। स्वयं जनता दल के अंदर ही अंतर्कलह का विस्फोट हो चुका है।

बिहार की बहुसंख्या मानती है कि नीतीश के इस कदम के पीछे किसी तरह की नैतिक, व्यावहारिक या तार्किक सोच नहीं है। नीतीश अभी तक अपने ही साथियों को समझाने में सफल नहीं हैं कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया। इस कारण जनता दल के अंदर प्रकट-अप्रकट तीव्र हलचल है। अनेक नेता, जो बोलते नहीं, मानते हैं कि नीतीश के इस कदम से उनकी पार्टी की मृत्युगाथा लिख दी गई है। इस कारण उनका ध्यान बिहार की ज्वलंत समस्याओं से ज्यादा अपने राजनीतिक हितों की सुरक्षा और भविष्य की राजनीति पर ज्यादा है। उपेंद्र कुशवाहा का वर्तमान व्यवहार इसका उदाहरण मात्र है। दूसरी ओर राजद के अंदर भी यही भाव है कि नीतीश आज जरूर आए हैं, लेकिन इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता। संभव है ये भाजपा का विरोध करते-करते फिर उस ओर जाने की कोशिश करें। एक दूसरे के प्रति सत्तारूढ़ खेमे में अविश्वास और आशंकाओं के बीच सरकार और प्रशासन सुचारू रूप से नहीं चल सकता। यह स्थिति निश्चय ही चिंता का विषय है।

कायदे से अभी तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में जिहादी आतंकवाद को लेकर बैठकर आयोजित करनी चाहिए थी। आखिर, पिछले वर्ष अग्निवीर योजना के विरुद्ध सबसे ज्यादा हिंसा बिहार में हुई थी। लग रहा था कि कुछ प्रशिक्षित, प्रोफेशनल विरोध के नाम पर उपद्रव और अग्निकांड में शामिल थे। बिहार के मुख्यमंत्री की ओर से एक बयान नहीं आया जिसमें कहा जाए कि वे सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं, और इससे खिलवाड़ करने वालों और लोगों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अवधेश कुमार

सबसे कहते भोले बोल

जीवन की ये नैया तेरी ,
हो ना जाए डांवाडोल,
इसीलिए तो सबसे कहते,
मनभर अब तो भोले बोल।
जीवन की ये नैया....
साम-दाम और दंड-भेद को,
अपने जीवन में ना घोल,
समय यूं ही फिर बीत जाएगा,
जैसे बिन सुर बाजे ढोल।
जीवन की ये नैया...
बोलो में कुछ शहद घोलकर,
भोले का आव्हान भी कर,
आएं जब सिरहाने भोले,
झूम-झूम कर गान भी कर।
जीवन की ये नैया....
भोले हर जन-जन से मिलकर,
पल-पल में संबल देते हैं,
करो ना तुम अपनी मनमानी,
वो तुमको जीवन देते हैं।
जीवन की ये नैया....
देखा-देखी में मत पड़ना,
मस्तों की टोली संग चलना,
प्रेम,प्यार की राह सुगम है,
तुम बस भोले के मन बसना।
जीवन की ये नैया.....

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

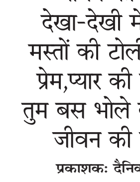

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर,मध्यप्रदेश

माँ की प्यारी लाड़ली

फूलों की महकती कली हो तुम
बड़ी लाड़ प्यार से पली हो तुम
रौशन सी हो जाती है घर आँगन
जब खिलखिलाके हँसती हो तुम
गुलाब की नाजुक डाली हो तुम
सूरज की चमकती लाली हो तुम
सागर भी लहराए तुम्हें देख के
हवा की झोंकों सी बहती हो तुम
माँ की प्यारी लाड़ली हो तुम
सुने बगियन की तितली हो तुम
नम हो जाती है आँखे भी मेरी
जब सिसक-सिसक रोती हो तुम
कितनी मिन्नतों से मिली हो तुम
स्वेत कुमुदनी सी खिली हो तुम
बड़ी सुकून मिलती है दिल को
जब तुतलाके माँ कहती हो तुम
दो कुलों को जोड़ने वाली हो तुम
सदा जलती दीप की थाली हो तुम
लगती है मासूम नजरें परी सी
सबकी पलकों में रहती हो तुम

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मुकेश उइके
मयारू
चेपा,पाली,कोरबा
छत्तीसगढ़

हास्य व्यंग्य

हाय! मैं रिटायर क्यों हुआ

आपको अपनी उम्र का वह पड़ाव तो याद होगा जब आपकी नई नई मूछें आई थी! आप घंटों शीशे के आगे खड़े रहते थे और अपनी उम्र से बड़े फिल्म अभिनेताओं के साथ तुलना करके कभी खुद को शशि कपूर, राज कपूर, राजेश खन्ना आदि के साथ तुलना करते थे! इसी तरह जब आप पढ़ लिखकर बड़े हो गए तब आपके मन मे कोई बड़ी नौकरी करने का चाव पैदा हुआ! और आपको नौकरी मिल गई गई! यहां हम अपने परम प्रिय मित्र प्यारा लाल की बात कर रहे हैं! प्यारा लाल को बचपन से ही बच्चों को पढ़ाने का शौक था और बड़े होकर एक सफल कॉलेज प्रोफेसर बनने की तमन्ना की! प्यारा लाल जी को काली माता मैं अटूट विश्वास था! बचपन से ही उनकी काली माता में आस्था इतनी पक्की थी कि सच्चे दिल से वह माता के मंदिर में जाकर जो प्रार्थना करते थे उनकी प्रार्थना कबूल हो जाती थी और उनकी मनोकामना पूरी हो जाती थी! क्योंकि प्यारा लाल जी प्रोफेसर बनना चाहते थे इसलिए अपनी इस मनोकामना की पूर्ति के लिए वह नियमित तौर पर मंदिर जाते और प्रसाद बांटते थे! आखिरकार उनको प्राइवेट कॉलेज में प्रोफेसर की हिंदी विभाग में नौकरी मिल ही गई! अपनी इस मनोकामना की पूर्ति के लिए उन्होंने काली माता का दिल से आभार व्यक्त किया!

प्यारा लाल जी अब प्यारा लाल नहीं बल्कि प्रोफेसर पीएल शर्मा कहलाते थे क्योंकि कॉलेज में प्रोफ़ेसर लोगों को उनके पूरे नाम से नहीं बल्कि सरनेम से ही बुलाया जाता है! प्रोफेसर साहब अपने काम में निपुण थे, अपने विषय का पूर्ण ज्ञान था, विद्यार्थियों को प्रभावित करके अपनी बात उन तक पहुंचाने का हुनर उनको अच्छी तरह आता था! अपने काम से काम रखते थे! अपने सहयोगी प्रोफेसरों के साथ मिलजुल कर रहते थे और किसी के साथ बिगाड़ते नहीं थे, अगर किसी ने कोई बात उनके खिलाफ भी कह दी तो वह मुस्कुराकर उसे अनसुना कर देते थे! उनके प्रिंसिपल साहब उनके हंसी मजाक तथा विद्यार्थियों में लोकप्रियता तथा सहयोगियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों को लेकर संतुष्ट थे! कभी भी कॉलेज में लेट नहीं आते थे अपनी क्लास कभी पहले नहीं छोड़ते थे! पढ़ाने के अलावा उन्हें कोई और काम सौंपा जाता था तो वह हंसते हंसते उसको कर देते थे! उनका पढ़ाने का तरीका ऐसा था कि विद्यार्थियों को पढ़ाते पढ़ाते हंसा हंसा कर लोटपोट कर देते थे यही कारण था कि विद्यार्थी उनकी कक्षा में जाने की इंतजार करते रहते थे! इसी तरह उन्होंने कॉलेज में हिंदी भाषा को पढ़ाने में अपनी नौकरी का पूरा समय बिता दिया! असल में विद्यार्थियों, सहयोगी प्रोफेसरों और प्रिंसिपल साहब के साथ मधुर संबंधों को लेकर उनका कॉलेज में मन इस तरह लग जाता था कि जिस दिन कॉलेज में छुट्टी होती थी उस दिन इनका घर में मन नहीं लगता था! कॉलेज में जाकर उन्हें अपना जीवन स्वर्ग के समान लगता था! कभी स्टाफ मेंबर के साथ चाय पीने को मन हो तो चपरासी को बुलाकर चाय पकौड़े खाकर हंसी मजाक किया जा सकता था! युवा लड़के लड़कियों के बीच में रहकर गए अपने आप को रिटायरमेंट के आखिरी दिन तक युवा ही समझते रहे! मन में हमेशा जोश, हौसला, उत्साह और सकारात्मक विचार बने रहे! क्या जिंदगी थी वह! आखिर वह दिन भी आया जब वह नौकरी से रिटायर हो गए! रिटायरमेंट के दिन प्रिंसिपल साहब, प्रोफेसर साहिबान तथा अन्य स्टाफ मेंबर ने उन को अलविदा कहने के लिए कॉलेज को खूब सजाया जैसे कि कॉलेज के फंक्शन पर मुख्य अतिथि के आने पर सजाया जाता है! यह सब देख कर उनका मन आनंद विभोर हो गया! उन्हें लगता ही नहीं था कि यह सब कुछ उनके सम्मान में किया जा रहा है! सबसे पहले एक सजे सजाए कमरे में उनके फेयरवेल के लिए भाषण बाजी का काम हुआ! उनकी खूब तारीफ की गई और उन्हें बहुमूल्य उपहार दिए गए और उसके बाद लांच हुआ! इस सारे के बाद उनके जीवन का स्वर्ग का 1 अध्याय सदा सदा के लिए समाप्त हो गया!

उनके जीवन का दूसरा पड़ाव रिटायरमेंट के बाद घर में ही समय बिताने के लिए शुरू हो गया! कॉलेज तो कॉलेज था! जहां हर कोई उसका हुकुम बजाने के लिए तैयार रहता था! लेकिन उनकी हुकूमत घर में तो चलती नहीं थी! उनकी पत्नी और घर के अन्य सदस्य उनके घर बैठने पर एक बोझ समझते थे! और यह सोचते थे कि उसका घर के मामलों में दखलअंदाजी करना ठीक नहीं! रिटायरमेंट के बाद उसका काम अपने पोते और पोतियों को स्कूल छोड़ कर आना और उन्हें वापस लाना, बिजली और टेलीफोन का बिल भरना, घर के बंद सीवर को सफाई कर्मचारी को बुलाकर साफ कराना आदि रह गया था! क्योंकि वह सारा दिन घर रहते थे इसलिए उनकी अर्धांगिनी अर्थात पत्नी ने उन से काम कराना शुरू कर दिया! कभी तो मार्केट से वह सब्जी लेने जाते, कभी किराने वाली दुकान पर जा कर सामान खरीदते, कभी सब्जी काट कर देते ,कई बार छत पर कपड़े सुखाने के लिए तार पर टांगने के लिए जाते, कभी अपने और अपनी पत्नी के कपड़े प्रेस करने पड़ते, सुबह उठ कर अपने लिए और अपनी पत्नी के लिए चाय बनाते! रिटायरमेंट के बाद घर वालों ने उसकी सारी प्रोफेसरी निकाल दी! मौका मिलते ही उनकी पत्नी किसी ना किसी बहाने उनकी धज्जियां उड़ाने में कसर नहीं छोड़ती थी! उन्हें अपने रिटायर होने पर बहुत ही पश्चाताप और अफसोस होता! उनका मन करता था कि अभी वह रिटायर ना होते! लेकिन रिटायरमेंट की आयु सीमा पूरी होने के बाद तो सरकार हर कर्मचारी को सेवानिवृत्त करके घर भेज देती है, यही कुछ उनके साथ हुआ! उन्हें लगा रिटायर होने के बाद समाज में उनकी वैल्यू भी कम हो गई है! जब वह नौकरी करते थे तब उन्हें लोग... प्रोफेसर साहब.... शर्मा साहब... कह कर संबोधित करते थे! लेकिन रिटायरमेंट के बाद लोगों ने उन्हें .... प्यारेलाल... कहकर संबोधित करना शुरू कर दिया! उन्हें ऐसा लगा जैसे कि सोने की गिन्नी अल्मुनियम के सिक्के में बदल गई हो!

कभी कभार वह अपने छोटे भाई समान, प्रख्यात साहित्यकार डॉ मधु कांत जी के साथ स्थानीय यूनिवर्सिटी में किसी कार्यक्रम में जाते तो वहां युवा विद्यार्थियो तथा प्रोफेसरों को देखकर उनका मन फिर प्रोफेसर बनकर पढ़ाने के लिए मचलने लगता! वहां का माहौल देखकर उन्हें ऐसे लगता जैसे कि कोई खटारा गाड़ी जीटी रोड पर चलकर फुल स्पीड से भागने लगी है! तब उन्हें लगता... हाय! मैं रिटायर क्यों हुआ! जब कभी भी अपने किसी पुराने मित्र को मिलने के लिए किसी कॉलेज में जाते तो उनमें एक बार फिर जवानी का जोश भर जाता! लेकिन उस जोश में उनके साथ वैसा होता जैसे कि एक पुरानी साइकिल को चलाने की कोशिश करो और उसकी चैन बार-बार उतर जाए! सचमुच रिटायरमेंट के बाद का जीवन बेसुरा, निष्क्रिय हो जाता है! पुराने अखबार की तरह हो जाता है जिसे कोई पढ़ना नहीं चाहता, रिटायरमेंट के बाद जि़न्दिगी बासी रोटी की तरह हो जाती है जिसे खाने वाले बेदिली से खाते हैं! सबसे बुरा हाल हमारे प्यारे लाल का कोरोना काल में हुआ जब एक तरफ तो घर से बाहर निकलने पर पाबंदी ने उनको घर में कैदी बना दिया और दूसरी तरफ मास्क लगाकर रखने की वजह से उनकी बोलती बंद हो गई! ना कहीं जा सके और ना कुछ बोल सकें! अजीब सी घुटन महसूस होती रही! बेशक हमारे प्यारे लाल जी अपने रिटायरमेंट के जीवन को सरस बनाने के लिए सुबह सवेरे सैर करने के स्थान पर लाफिंग क्लब में खूब हंसते हैं और हंसाते हैं परंतु इस हंसी में वह जोश नहीं होता जोकि नौकरी के दरमियान हुआ करता था! इसीलिए बार-बार उनके मन में यह आवाज आती है... हाय! मैं रिटायर क्यों हुआ! वह सोचते हैं काश पुराने दिन वापस आ जाते !

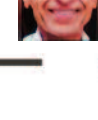

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाण

प्यार की नींव पर ही जिंदगी थमी है

आजकल एक फैशन चला है, कुछ खास दिवस मनाने का। कुछ तारीखों में बाँट दिए है एहसासों को। हम इंसान मौजूदा दौर की भागदौड़ी से भरी व्यस्त जिंदगी में से कुछ पल चुराकर बुराई क्या है? क्या हम हर रोज़ दिन में पचास बार बोलते है आई लव यू? इस एक दिन भावों को प्रदर्शित करना बंधन को और मजबूत बनाता है। या जो हम प्रेक्टिकली कर नहीं तो मैं हूँ, या आपने मेरे लिए जो किया या करते हो उसका मुझे बखूबी ज्ञात है, और उन सारे अहसानों का ऋण मैं भले चुका न पाऊँ पर शब्दों के ज़रिए, कार्ड देकर या पोस्ट ड़ालकर

अपनों के प्रति प्यार और अपनापन जताना भूलते जा रहे है, उसमें ये खास दिन हमें याद दिलाते है कि हमारे अपना भी कोई है। और हम उन खास दिनों पर अपनों के प्रति सौहार्द भाव जताकर खुशियाँ मनाते है, तो क्या गलत है? पर इन मातृदिवस, पिता दिवस, मित्रता दिवस या फिर वैलेन्टाइन दिवस या बहुत सारे खास दिवस मनाने पर कई सारे लोगों को ऐतराज़ होता है। उनको ये सब पाश्चात्य संस्कृति या चोंचले लगते है। और कई लोगों का मानना होता है कि एक दिवस काफ़ी नहीं होता, माता-पिता या किसीके भी लिए यूँ शब्दों के ज़रिए, कार्ड देकर या पोस्ट डालकर जता देना। क्यूँकि उनका अहसान या ऋण एक दिन प्यार जता कर और संवेदना जता कर नहीं उतार सकते।

कई सारे लोगों को वेलेंटाइन डे मनाने पर भी ऐतराज़ होता है, क्यूँ भई क्या गलत है इसमें। आशिक महबूब के प्रति या पति-पत्नी एक दूसरे के प्रति अगर उस दिन अपनी चाहत का इज़हार करते है तो इसमें सकते, या कह नहीं सकते उसे लिखकर, फूल देकर या चॉकलेट देकर जता लेते है तो ये एक दिन तो बहुत ही खास होना चाहिए न।

मानां कि जिसने आपको पूरी उम्र दी हो उनके लिए एक दिन दिखावा करना काफ़ी नहीं होता। पर ये सारे दिन भले पाश्चात्य संस्कृति की देन हो पर सच कहे तो ये परंपरा बहुत सुंदर और समझने वाली है।

हमारे अपनें हमारे लिए ताउम्र कितना कुछ करते है, क्या हम हर रोज़ बात-बात पर उनको थैंक्स या धन्यवाद बोलते है? या बात-बात पर बहुत अच्छा किया जो आपने मेरे लिए ये किया, नहीं ना? तो ये सारे खास दिन अपनों के प्रति अहोभाव या कृतघ्नता जताने के दिवस होते है। इन खास दिनों पर माँ-बाप और किसीके भी प्रति हम आदर और भावना व्यक्त करते उन्हें स्पेशल फ़ील करवाके ये जता रहे होते है कि उनका हमारी ज़िंदगी में क्या और कितना महत्व है। या हमारी नज़रों में उनके कार्यों की कितनी अहमियत है। भले हम हर रोज़ नहीं जताते पर आप है अपनी भावनाओं द्वारा आपके प्रति अपना ऋण अदा करता या करती हूँ। सच मानिये सामने वाले को बहुत अच्छा लगता है। लगता है कि उनका अपनों के लिए कुछ करना सार्थक रहा। हर किसीको जब अपने काम की कद्र होती है तब गर्व महसूस होता है। तो बस ये सारे खास दिवस जन्मदिन, लग्नदिन या ऐसे किसी भी खास दिन की तरह ही अपनों के प्रति कृतघ्नता जताने के लिए होते है। इन दिनों को जश्न की तरह मनाना चाहिए ये सारे दिन है तो जीवन में खुशियाँ है। यही सारे दिन अपनेपन और परिवार का महत्व समझाते है।

तो इस वैलेन्टाइन डे पर किसीको भी अपना वैलेन्टाइन बनाकर मन में छुपे भावों की गठरी खोल दीजिए और जमकर मनाईये वैलेन्टाइन डे। प्यार जताना ज़िंदगी में ज़ायके का तड़का लगा देता है। सच मानिए प्यार की नींव पर ही जिंदगी थमी है।

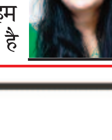

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर,
कर्नाटक

सफर तन्हां

कभी सोचा नहीं तुमने,
कटा कैसे सफ़र तनहां।
निगाहें देखती हैं बस,
मकां खाली बसर तनहां।
फंसी कश्ती भंवर में थी,मिला था
नाख़ुदा उसपल,
किनारे करके छोड़ा फिर,
वही है रहगुज़र तनहां।
भटकता मन न जाने क्यूं ,
ढूंढती हैं नीगाहें क्या,
न कोई तज़्किरा है न,
समाअत फ़कत घर तनहां।
जगी फिर आज चाहत है,
क्यूं जाने खुद से मिलने की,
पता पूंछें यहां किससे,
मिला है जर्रा हर तनहां।
हुआ करती थी,उनसे कितनी जाने,
गुफ्तगु हर दिन,
पुराना अब हुआ किस्सा,
फ़कत बाकी असर तनहां।
न अब ख़ामोशियों का शोर,
न सरगोशियों का डर,
फ़कत दीदार की हसरत में,
जागे रात भर तनहां।
भरे स्वाती ने कितने जाम हैं,
ख़ातिर तुम्हारे ही,
चले आओ बिछी पलकें,
है राहों में नजर तनहां।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

धुन मेरे गीत की

न शरारों में और न शराबों में ढूंढना
ढूंढना मुझे अगर तो
किताबों में ढूंढना
जाना बाग़ों में किसी रोज़ अगर तुम
बनके तितली मुझको
गुलाबों में ढूंढना
बेहयाई-बेपर्दगी की छोड़ो
हाँ पोशीदा से कुछ नक़ाबों में ढूंढना
चारसू पसरी तीरगी जहां में
चंद रोशन से आफ़ताबों में ढूंढना
कर सको जो मेरे हर्फ़ याद सारे
धुन मेरे गीत की रबाबों में ढूंढना

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

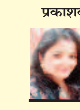

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

फासला

दिलो के दरम्यां ये फ़ासला,
हमें मंजूर नही।
अधूरा अधूरा सा सिलसिला,
हमें मंजूर नही।
सो गए है ये चाँद +सितारे भी,
मगर वो न आये,
शबे वस्ल का ये झूठा वादा,
हमें मंजूर नही।
दो दिल मिल न पाए,
मौहब्बत के साये में,
गर यही है रब दा फैसला,
हमें मंजूर नही।
आये हो नजदीक तो ,
हटा लो जुल्फें चेहरे से,
हुजुर ये चिलमन, ये परदा, हमें
मंजूर नही।
इन्सां इन्सां के बीच,
मजहब की हो दीवारें,
अहले जहाँ तेरा ये कायदा,
हमें मंजूर नही।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

पता ही न चला

बातों के दौर को एक अरसा हो चला
तुम हो घर में ,मुझे ये पता ही न चला
जो लेते थे हर फ़ैसले साथ मिलकर
फासले कब बन गए पता ही न चला
फूलों सी महकती थी मुहब्बत हमारी
फूल कब शूल बन गए पता ही न चला
निकले तो थे साथ,बन हमसफर हम
रास्ते कब बदल गए पता ही न चला
सोचता था,है नींव बड़ी मज़बूत हमारी
दीवारें कब खिंच गयी पता ही न चला
यूँ तो बहुत अरमान बसे थे इस दिल में
कब हुए सारे दफन बस पता ही न चला

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

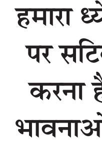

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

किसान नेता राजेश टिकैत की होने वाली सभा को स्थगित करने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के हरिहरपुर में किसान नेता राजेश टिकैत की होने वाली सभा का स्थानीयों द्वार विरोध किया जा रहा है। ग्रामीणों ने रामानुजनगर के एसडीएम को पत्र लिखकर टिकैत की सभा को रोक लगाने की मांग की है। वहीं जिले के उदयपुर तहसील के अन्तर्गत आने वाले ग्राम फत्तेपुर, घाटबर्रा, साल्ही, जनार्दनपुर, तारा, इत्यादि ग्रामों के हजारों ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर बाहरी लोगों के उनके क्षेत्र में प्रवेश और शांति भंग करने की बात करते हुए रोक लगाने की मांग की है। उन्होने पत्र में लिखा है कि उनका जिला प्रदेश में सबसे पिछड़े जिले के रूप में जाना जाता था। लेकिन मुद्दातों बाद एक कोयला परियोजना के आने से उन्हें स्वरोजगार के साथ साथ क्षेत्र का विकास होते भी देखा जा रहा है। यही नहीं यहां के हजारों लोगों परियोजना में नौकरी भी कर रहे है। वहीं बाहरी लोग यहां आकर कुछ लोगों को भड़काकर इन परियोजनाओं का विरोध करा रहे है। कुछ महीने पहले यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यकर्ताओ ने यहां आकर क्षेत्र की शांति भंग की थी और अब एक बार पुनः किसान नेता राकेश टिकैत को लेकर आ रहे हैं। जो एक तरफ तो भिलाई के एक संस्थान से निकाले गए युवाओं को नौकरी दिलाने की लड़ाई में अपनी आवाज बुलंद करने की बात कर रहे है तो दूसरी ओर एक अन्य कार्यक्रम में सरगुजा की एक मात्र कोयला खदान में नौकरी कर रहे युवाओं को नौकरी से निकालने के लिए कूच करने वाले हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में लालकृष्ण तिवारी, पुष्पा तिवारी, शिवप्रसाद अगरिया, रामनाथ, पारसनाथ, अजय सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहे।

नेशनल बैडमिंटन प्रतियोगिता गोवा के लिए राजेश गुप्ता का चयन, एसपी ने किया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय मास्टर बैडमिंटन प्रतियोगिता 2023 का आयोजन दन्तेवाड़ा दक्षिण बस्तर में राज्य बैडमिंटन एसोसिएशन के नेतृत्व में कराया गया। जिसमें अम्बिकापुर के बैडमिंटन खिलाड़ी राजेश गुप्ता व अन्य खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता में राजेश गुप्ता अंतिम फायनल में उप विजेता रहे। जिनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 23 से 27 मार्च गोवा के लिए किया गया है। इसके पूर्व भी राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता बाम्बे जिमखाना, भोपाल, एर्राकुलम, विसाखापट्नम, कोयम्टूर में शामिल होकर जिले का नाम रोशन किया हैं। इनके उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने शनिवार को बैडमिंटन हाल में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय मास्टर बैडमिंटन प्रतियोगिता के उप-विजेता रहे राजेश गुप्ता को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पवनीत गील, आनंदधर दीवान, नीरज, हर्षित, आयुषि, पप्पु, प्रमोद, सर्वेस सहित अन्य खिलाडियों ने शुभकामनाएं दी है।

छतीसगढ राज्य स्तरीय बैडमिंटन उप विजेता सरगुजा पुलिस कप्तान से सम्मानित हुये

सेवा किटी के सदस्यों ने बच्चों के साथ बिताया खूबसूरत पल

अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

जिन्दगी तब अधिक खूबसूरत बन जाती है जब अपनी जिन्दगी के कुछ पल हम दूसरों की खुशी के लिए जिएं। बतौली कुनकुरी के जीवन ज्योति विद्यालय में सेवा किटी की बहनों ने कुछ पल बच्चों के साथ बिताया। इ स अवसर पर भोजन सामग्री, एवं मिठाई, चादर, गर्म कपड़े दिए गए। गीता अग्रवाल पेंड्रा रोड सेवा किटी की सदस्यों के साथ उपस्थित रहीं एव आर्थिक सहयोग भी किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री सुल्तानिया, वन्दना दत्ता, मधु चौदहा, नीलिमा गौयल, संजीता स्वर्णकार, स्मिता तिवारी का सराहनीय योगदान रहा।

मोर आवास मोर अधिकार अभियान को घर-घर तक ले जाएं कार्यकर्ता : ललन प्रताप

» भाजपा नगर मंडल अंबिकापुर की कार्यसमिति संपन्न

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा नगर मंडल अंबिकापुर की कार्यसमिति बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य, ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी तथा भाजपा नगर मंडल प्रभारी त्रिलोक कपूर कुशवाहा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यसमिति को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को जिन्हें भूपेश सरकार ने अब तक आवास नहीं दिया है उनके लिए भाजपा ने प्रदेश भर में %मोर आवास मोर अधिकार' आंदोलन तय किया है उसे भाजपा कार्यकर्ता घर-घर तक लेकर जाएं तथा इसे प्रत्येक घर परिवार का आंदोलन बनाएं। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि अंबिकापुर नगर मंडल पर संभाग मुख्यालय का मंडल होने के कारण महत्वपूर्ण जवाबदारी है भाजपा का कोई भी कार्यक्रम या आंदोलन सबसे बेहतर हो यह जरूरी है। मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम को भी प्रभावी ढंग से करना है। इस अवसर पर मंडल प्रभारी त्रिलोक कपूर कुशवाहा ने कहा कि भाजपा के मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम के प्रभाव से भूपेश सरकार भी डरी हुई है क्योंकि आम जनता में इसको लेकर भारी आक्रोश है। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला ने बताया कि आगामी 23 फरवरी को मोर आवास मोर अधिकार आंदोलन के तहत अंबिकापुर विधायक टीएस सिंहदेव का घेराव किया जायेगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वरिष्ट पार्षद आलोक दुबे ने कहा कि मोर आवास मोर अधिकार आंदोलन के साथ ही भूपेश सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री दीपक तोमर ने तथा आभार प्रदर्शन प्रेमानंद तिग्गा ने किया। इस अवसर पर भाजपा की जिला उपाध्यक्ष मंजूषा भगत,अजय सिंह,सर्वेश तिवारी, मनोज सोनी, हरमिंदर सिंह, नकुल सोनकर, जनमेजय मिश्र, अवधेश सोनकर, अनुराधा गोस्वामी, निरंजन राय, कमलेश तिवारी, संजय मिश्रा, सुशांत घोष, शुभांगी बीहड़ी, नीलेश सिंह,रिंकू उमेश अग्रवाल वर्मा,कैलाश मिश्र,सुरजीत भामरा, रविन्द्र भारती,राजेन्द्र सिंह , किंजल किशोर पांडे, गौतम विश्वकर्मा, शैलेश सिंह, शरद सिन्हा, रानी मिश्रा सहित भारतीय जनता पार्टी के अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

टिपर वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार नारायण राजवाड़े पिता सुन्दर साय उम्र 42 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम करसू का रहने वाला था। वह शनिवार को गांव के ही अमर साय के साथ बाइक से करवां बाजार गया था। वहां से दोनों वापस लौट रहे थे। करसू मुख्य मार्ग पर जाम लगी थी। दुर्घटना से बचने दोनों पैदल ही बाइक को रेंगाते हुए भीड़ को पार कर रहे थे। तभी पीछे से टिपर वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में नारायण गंभीर रूप से जख्मी हो गया जबकि अमर साय को मामूली चोट आई थी। गंभीर रूप से घायल नारायण को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एसईसीएल के शक्ति ड्रगलाईन मशीन से लोहा व तांबा चोरी करने के मामले में विश्रामपुर पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

» 2 लाख 57 हजार 7 सौ रूपये रूपये कीमत के लोहा, तांबा, एलपीजी व आक्सीजन सिलेंडर तथा 2 मोटर सायकल किया जप्त।

- संवाददाता -
सूरजपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

विश्रामपुर पुलिस ने एसईसीएल के शक्ति ड्रगलाईन मशीन से लोहा व तांबा चोरी करने के मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2,57,700 रूपये कीमत के वस्तु व मोटर सायकल जप्त करने में सफलता हासिल की है। दिनांक 12.02.23 के रात्रि गश्त के दौरान थाना विश्रामपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम गांगीकोट शक्ति ड्रगलाईन के पास कुछ लोग गैस कीट व गैस कटर का उपयोग कर मशीन को काट कर उमें प्रवेश द्वार जैसा बनाकर उसके अंदर घुसकर मशीनों व तांबा तार की चोरी कर रहे है।

सूचना से पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) को अवगत कराने पर उन्होंने सतर्कता बरतते हुए त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु के मार्गदर्शन में थाना विश्रामपुर की पुलिस फौरन मौके पर पहुंची जहां शक्ति ड्रगलाईन के समीन कुछ व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देखकर रात्रि व झाड़ियों का सहारा लेकर भाग निकले जिनमें से 5 व्यक्ति मुकेश सोनी पिता स्व. जगबंधन सोनी उम्र 28 वर्ष निवासी केनापारा, बनारसी यादव पिता बसंत उम्र 37 वर्ष निवासी रामनगर, संतोष सिंह उर्फ गुड मार्निंग पिता ललन सिंह उम्र 20 वर्ष निवासी कुम्दा बस्ती विश्रामपुर, आकाश सोनी पिता राजकुमार उम्र 32 वर्ष निवासी जेएमक्यू कालोनी विश्रामपुर व अमीरउल्ला खान उर्फ सुखल पिता सहदुल्ला खान उम्र 46 वर्ष निवासी आरटीआई कालोनी विश्रामपुर को घेराबंदी कर पकड़ा गया जिनके कब्जे से कापर वायर 20 मीटर वजनी करीब 3 क्वींटल, एलपीजी सिलेण्डर 1 नग, मशीन का कटिंग हुआ लोहे का पार्ट वजनी करीब 90 किलो, 1 नग चैन पुल्ली, 1 नग आक्सीजन सिलेण्डर मय पाईप नोजल कटर, 2 नग मोटर सायकल, 1 नग तांबे का प्लेटनुमा टुकड़ा 40 किलो कुल कीमत करीब 2 लाख 57 हजार 7 सौ रूपये का जप्त किया गया। आरोपियों के द्वारा एसईसीएल कंपनी द्वारा खुदाई हेतु उपयोग किए जाने वाले मशीन ड्रगलाईन जो लोकसम्पत्ति की श्रेणी में आता है उसे नुकसान पहुंचाते हुए उसके बाहरी आवरण को गैस कटर से काटकर मशीन के अंदर प्रवेश कर लोहा व तांबा चोरी करने पर धारा 41(1-4)/379 भादसं. के तहत कार्यवाही करते हुए पांचों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर के.डी.बनर्जी, एएसआई प्रवीण राठौर, शशि शेखर तिवारी, प्रधान आरक्षक इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, विकास सिंह, रामनिवास तिवारी, आरक्षक ललन सिंह, रविशंकर पाण्डेय, राकेश यादव, आसिफ अख्तर, प्यारे राजवाड़े, मनोज शर्मा, विजय साहू, अभिमन्यू पैंकरा, हेरमन टोप्पो व खेलसाय राजवाड़े सक्रिय रहे।

बाइक की टक्कर से घायल ठेला व्यवसायी की मौत

अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

8 फरवरी की रात को ठेला लेकर घर जा रहे व्यवसायी को बाइक सवार युवक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में ठेला व्यवसायी गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार भुवनेश्वर पिता नारायण कश्यप उम्र 50 शहर के दर्रीपारा का रहने वाला था और बाजार में ठेला लगाकर सामान बेचने का काम करता था। 8 फरवरी की रात को 9 बजे दुकान बंद कर ठेला लेकर वापस घर जा रहा था। रास्ते में बाइक क्रमांक सीजी 15सीपी 1456 के चालक जसवीर सिंह ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में भुवनेश्वर गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

स्वास्थ्य कर्मचारी 24 सूत्री मांगों को लेकर 15 को सामूहिक अवकाश पर

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले स्वास्थ्य कर्मचारियों ने लम्बित मांगों पर त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर 15 फरवरी को सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया है। कर्मचारी संघ का कहना है कि अत्यंत कम वेतन सुविधाओं पर जन सेवा का कार्य करते हैं विभाग में अधिकांश संवर्ग एकल पद है। उप स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर बड़े अस्पतालों में कर्मचारी अपनी पूर्ण क्षमता से कार्य करते हुए स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मानकों में उच्च स्थान प्राप्त करने में मदद दे रहे हैं। जिलाध्यक्ष धनेश प्रताप सिंह एवं प्रांतिय महामंत्री अनिल कुमार पाण्डेय ने साझा व्यान में कहा कि संचालक स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ आयुष द्वारा समिति गठित कर वेतनमान संशोधन संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जिसे मंजुरी देकर प्रस्तावित वेतन मान का लाभ दिया जाए। विभाग के कर्मचारी को केन्द्र शासन के समान वेनत, पेट्रल भत्ता, मोबाइल भत्ता, जोखिम भत्ता, रेडिएशन भत्ता दिया जाए। स्टाफ नर्सो को 3 4 अग्रिम वेतन वृद्धि का लाभ जारी रखा जाए। पुलिस विभाग की तरह स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी वर्ष में 13 माह का वेतन दिया जाए। केन्द्र शासन कि भांती स्टाफ नर्स को नर्सिंग अधिकारी, वरिष्ट नर्सिंग अधिकारी पद मान किया जाये। कर्मचारियों कि नियुक्ति तिथि से ओल्ड पेशन स्कीम का लाभ, कर्मीयों का 5 लाख स्वास्थ्य बिमा कर कैशलेश इलाज कि सुविधा मुहैया कराया जाये। इन सभी 24 सुत्रिय मांगों को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारी संग ने पत्र कलेक्टर के नाम सौंपा है।

हसदेव अरण्य बचाव आंदोलन में आज शामिल होंगे किसान नेता टिकैत

अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ हसदेव अरण्य को बचाने के लिए चल रहे आंदोलन के समर्थन में किसान नेता राकेश टिकैत सोमवार को पहुंचेंगे। सरगुजा के हरिहरपुर में आयोजित किसान महा सम्मेलन में शामिल होंगे। हसदेव के समृद्ध जंगल, जमीन, पर्यावरण को बचाने चल रहे अनिश्चितकालीन धरना को लगभग 350 दिन हो चुके हैं। आंदोलन को समर्थन देने राष्ट्रीय किसान नेता राकेश टिकैत दोपहर 2 बजे धरना स्थल पर पहुंचेंगे और आयोजित किसान महासम्मेलन को संबोधित करेंगे।

अज्ञात कारण से युवक ने कीटनाशक सेवन कर दी जान

अंबिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

अज्ञात कारण से एक युवक कीटनाशक सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जय सिंह पिता महादेव उम्र 30 वर्ष लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम बदगरी का रहने वाला था। वह 10 फरवरी को अज्ञात कारण से घर में ही कीटनाशक का सेवन कर लिया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मनाया गया मालगुजारी एवं वार्षिक उत्सव

सूरजपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

रामानुजनगर ब्लांक के ग्राम पंचायत परशुरामपुर मे सरपंच एवं पंचो का कार्य काल 3 वर्ष पुर्ण होने पर वार्षिक एवं मालगुजारी उत्सव मनाया गया। और इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच लालकेश्वर सिंह सरुता एवं विशिष्ट अतिथि सीमा केवट, एवं सभी 20 वार्ड पंच उपस्थित थे। सरूता के द्वारा अपने लगभग 700 किसानों का ?लगान ऋण माफ किया। गांव में गर्भ वती माताओ को प्रसव कराने पर साड़ी देकर? सम्मान किया? जाता है। सभी वार्ड में लगातार निर्माण कार्य करा रहे हैं। और इस कार्यक्रम में शैला, सुआ, और बालक, बालिकाओं,के द्वारा प्रस्तुति किया गया। और इस कार्यक्रम उपस्थित नितिश कुमार केवट जी,जनपद सदस्य परमेश्वर सिंह , बली राम पटेल,राम प्रसाद मरकाम,इसराईल मो जी,सरजुन सरुता,नशीम,छोटु, पिंटू, विनय दास, और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग कुमेली वाटर फॉल सेवा समिति के पदाधिकारी जहीर खान, तुलेश्वर सिंह,सगीर ख़ान, शिवपाल दास, कन्हैया लाल, घनश्याम, चैन सिंह, हरनारायण, देवब्रत, पुष्पराज,राजा बाबू,संत लाल, ब्रिजेश,अजेश, गुलाब, बलवंत,सदीद खान, कृष्ण कुमार, हरबंस,बिफल पंडो,सूरज सोनी, ब्रिजेश, और कार्यक्रम का संचालन रविनारायण सिंह आरमो के द्वारा किया गया । और अध्यक्षता कपिल पोया एवं कार्य क्रम का आभार व्यक्त और समापन शिवनारायण कमरो के द्वारा किया गया।

कांग्रेस काम के बलबूते पर 2023 के चुनाव में जनता के बीच जाएगी

कार्यकर्ताओ की नाराजगी होगी दूर,कोई गुटबाजी नही सभी पार्टी के लिए करेंगे काम

सूरजपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने सभी वर्गों के विकास हेतु बेहतर काम किया है। गांव से लेकर शहर तक के विकास के लिए प्रदेश सरकार के द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है जिससे आम लोगो में कांग्रेस सरकार के प्रति भरोसा जगा है। किसानो को अपनी पसीने की उपज बेचकर अच्छा खासा मुनाफा हुआ है। वहीं महिलाओ युवाओ व मजदूरों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है। उक्त बातें रविवार को स्थानीय सर्किट हाऊस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े व जिला उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा ने कही है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस विकास कार्यो को लेकर जनता तक पहुंचेगी और परिणाम भी बेहतर होगा। कार्यकर्ताओ की नाराजगी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में नेताद्वय ने कहा कि पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ की नाराजगी दूर करने का प्रयास किया गया है कांग्रेस का हर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के लिए काम किया है और आगे भी क र`गा। कार्यकर्ताओं के दम पर ही कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनी है और आने वा ल` विधानसभा में भी कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी लगन व मेहनत से कम करते हुए प्रदेश में किये गए जनकल्याणकारी कार्यो व योजनाओं एवं विकास कार्यो को लेकर जनता तक जाएंगे। नेताद्वय ने कहा कि पार्टी विकास कार्य करती है पर उन कार्यो को जनता तक पहुंचाने का कार्य मीडिया के माध्यम से संभव हो पाता है। इसके लिए उन्होंने मीडिया का आभार व्यक्त किया।उन्होंने एक सवाल के जबाब में कहा कि कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता टीएस बाबा के साथ थे, है और रहेंगे उन्होने कहा कि बाबा किसी दीगर पार्टी में नही जाएंगे।कुछ सवालों का जबाव समय के साथ मिलता है।जिस पर आज कोई तर्क वितर्क नही हो सक ता। कार्यकर्ताओं के पूछ परख के सम्बंध में कहा कि पार्टी ने इस मसले को गम्भीरता से लिया है आने वाले दिनों में सब ठीक हो जाएगा।आने वाले समय मे कार्यकर्ताओ की नाराजगी दूर हो सकेगी ।इस मौके पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अश्वनी सिंह,मंडी उपाध्यक्ष राजीव सिंह,आदि ने भी पत्रकारों से मुखातिब होते कहा कि कांग्रेस ने बीते चार वर्ष सभी वर्गों खास कर किसान को हित के लिए अनेक कार्य किये है जिसके बलबूते वे 2023 का चुनाव भी जीतेंगे।एक सवाल के जवाब में नेताओ ने कहा कि बाबा के मुख्यमंत्री नही बनने का मलाल सरगुजा के सभी लोगो को है और अगर वे मुख्यमंत्री होते तो सरगुजा में आज जितने काम हुए है उससे कहीं ज्यादा काम दिखता पर यह पार्टी का फैसला है जिसे सभी जानते है।नेताओ ने कहा कि उम्मीदवार कौन होगा यह पार्टी तय करेगी पर यह जरूर है जिसके नाम पर कार्यकर्ताओं की सहमति होगी वही पार्टी का उम्मीदवार होगा।जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे अगर दावेदारी करेंगी तो भटगांव ही मुफीद होगा पर यह निर्णय पार्टी व कार्यकताओ को लेना है।इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह,चन्दा सिंह, युवक कांग्रेस के जफर हैदर, मनोज डालमिया, आकाश साहू,जाकेश राजवाडे,विजय राजवाडे सहित अन्य उपस्थित थे।

विरासत और उषा ......!

जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह जिले के वरिष्ठ विधायक खेलसाय सिंह की पुत्र वधु है।चर्चा है कि खेलसाय सिंह की वे विरासत सम्हाल सकती है।इस लिहाज से वे सक्रिय सियासत भी कर रहीं है।हालांकि दिल्ली अभी दूर है।चूंकि खेलसाय सिंह पूरे फार्म में है और 2023 के मैदान ए जंग के लिए पूरी तन्मयता से जुट गए है और वे गांव गांव एक किये हुए है।जिससे उनके विरोधियों के होश उड़े हुए है।

पहली बार खदान के अंदर दुर्घटना से हुई मौत मामले में चार लोगों पर अपराध दर्ज

- 2 साल पहले चरचा खदान में कर्मचारी के मौत मामले में खान प्रबंधक,सुरक्षा अधिकारी,शिफ्ट इंचार्ज व बेल्ट इंचार्ज के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मामला हुआ दर्ज
- डीजीएमएस की रिपोर्ट के अनुसार चार लोगों की लापरवाही से गई थी कर्मचारी की जान
- चरचा थाना में दर्ज हुआ एक अधिकारी व तीन स्टॉप पर मामला,सह प्रबंधक के पत्र में लापरवाही करने वाले का दिया नाम

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कोयला खदान के अंदर कई बार दुर्घटना में कामगरो की जान चली जाती है पर लापरवाही उजागर नहीं हो पाती जिस वजह से मामला थाने तक नहीं पहुंचता, कई दुर्घटनाओं में ऐसा ही देखने को मिला है एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के अंतर्गत संचालित चरचा, कटकोना व पांडवपारा खदानों में कई बार श्रमिकों की जान चली गई, वह भी अधिकारियों व स्टाफ की लापरवाही से पर मामला उजागर ना होने की वजह से दोषी अधिकारी हर बार बच निकला करते थे, खदान के अंदर जांच करने वाले एजेंसियां अधिकारियों को बचाया करती थी और खदान दुर्घटना को हादसा बताकर फाइल बंद हो जाया करता था, ऐसे कई हादसे इस इस क्षेत्र में हुए होंगे पर किसी पर भी अपराध पंजीबद्ध नहीं हुआ, चरचा खदान में मई 2020 में एक खदान हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई थी, जिस मामले में 2 साल बाद चरचा थाने ने 304 ए के तहत खान प्रबंधक सहित 3 स्टाफ के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया है और यह मामला डीजीएमएस के रिपोर्ट व प्रबंधक के आवेदन पर किया गया है यह अब तक का पहला ऐसा मामला है जिस में लापरवाही करने वाले पर कार्यवाही होने की उम्मीद जगी है।

मिली जानकारी के अनुसार एसईसीएल चरचा खदान में पदस्थ एनोसेंट तिर्की पिता कामिल तिर्की की उम्र 49 वर्ष निवासी वीटीसी कॉलोनी चरचा का 29 मई 2020 व 30 मई 2020 के दरमियानी रात करीब 2ः00 बजे चरचा खदान के अंदर सी 7 पॉइंट पर अकेले ही ड्यूटी पर कार्य कर रहा था, उसके साथ अन्य किसी व्यक्ति की ड्यूटी नहीं लगाई गई थी जबकि बेल्ट ऑपरेटिंग करते समय अनिवार्य रूप से दो व्यक्तियों की ड्यूटी लगी होनी थी, जबकि मृतक की कैटेगरी 5 सपोर्ट मिस्त्री के पद पर चरचा वेस्ट में पदस्थ था और उस दिन उसके पास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थे, इसके बावजूद बेल्ट ऑपरेटिंग करने का कार्य उसे दिया गया, जिस दौरान बेल्ट ऑपरेटिंग करते समय डिस्चार्ज ड्रम में फंसने से कर्मचारी की मौत हो गई, पुलिस ने घटना के पश्चात जांच दौरान लगातार सब एरिया मैनेजर चरचा व खान सुरक्षा महानिदेशालय से मृत्यु के संबंध में रिपोर्ट चाहा गया, जो रिपोर्ट में खान सुरक्षा महानिदेशालय बिलासपुर द्वारा मृतक की मरने की वजह प्रबंधक की गलती बताई, जिसके बाद पुलिस ने घटना दिनांक के दौरान जिम्मेदार अधिकारी व स्टॉप का नाम सह प्रबंधक को पत्र लिखकर मांगा जिसके बाद सह प्रबंधक ने घटना दिनांक में पदस्थ खान प्रबंधक, बेल्ट इंचार्ज, सेफ्टी ऑफिसर, शिफ्ट इंचार्ज का नाम बताया जिस पर पुलिस ने इनके विरोध 304 (ए) गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जिसमें इनकी अधिकारियो की लापरवाही से एक कर्मचारी की मौत होने का मामला आया है।

यह थी प्रबंधक की लापरवाही

जिस व्यक्ति के खदान दुर्घटना में मौत हुई थी उससे उसके पद के विपरीत दूसरा काम कराया जा रहा था, जबकि वह उतने सुरक्षा उपकरणों के साथ वहां पर नहीं था जिस समय प्रबंधक उससे यह काम करा रही थी उस समय उसे अकेले उस जगह पर जाने दिया यही वजह है कि खान प्रबंधक से लेकर सुरक्षा अधिकारी, शिफ्ट इंचार्ज व बेल्ट इंचार्ज इसमें दोषी माने जा रहे हैं। डीजीएमएस की रिपोर्ट के अनुसार भी यही बताया गया कि प्रबंधन की लापरवाही है जिस पर पुलिस ने 2 साल बाद मामला पंजीबद्ध किया है।

2 साल तक क्या कर रही थी पुलिस?

प्रबंधन की लापरवाही से जब कर्मचारी की मौत हुई थी उसके बाद पुलिस 2 साल तक क्या कर रही थी? आखिर अपराध क्यों नहीं पंजीबद्ध किया था? सूत्रों की माने तो उस समय पदस्थ पुलिस कर्मचारियों ने अधिकारियों को बचाने के लिए मोटी रकम भी ली थी जिस वजह से अपराध पंजीबद्ध नहीं हो रहा था, 2 साल बाद एक विवेचक के द्वारा इस मामले में तत्परता दिखाते हुए मामला पंजीबद्ध कर लिया गया।

पहली बार लापरवाही मिलने पर एसईसीएल अधिकारी व स्टाफ के विरुद्ध हुआ मामला पंजीबद्ध

खदान हादसे प्रबंधन स्तर पर ही समेट लिए जाते थे नौकरी व मुआवजा देकर उसके पीछे की लापरवाही पर पर्दा डाल दिया जाता था जिस वजह से कई बार लापरवाही की वजह से दुर्घटनाएं होती रही और अधिकारी कर्मचारी बचते रहे पहली बार लापरवाही को लेकर मामला पंजीबद्ध हुआ है जो आगे होने वाले लापरवाहीओं अंकुश लगाएगा।

कलेक्टर ने किया परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने रविवार को छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग रायपुर द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वाधिक अभ्यर्थी संख्या वाले परीक्षा केंद्र शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्राध्यक्ष को शांति एवं पारदर्शीपूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। दो पाली में आयोजित परीक्षा के प्रथम पाली में 7702 एवं द्वितीय पाली में 7560 अभ्यर्थी शामिल हुए। कलेक्टर ने परीक्षा कार्य मे लगे अन्य शिक्षकों को परीक्षा सम्पन्न होने के बाद ओएमआर शीट की पैकिंग ठीक से करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही परीक्षा कक्ष में पर्यवेक्षकों को मोबाइल रखने की मनाही का कड़ाई से पालन करने के भी निर्देश दिए। कन्या हाई स्कूल में एक दृष्टि बाधित अभ्यर्थी भी सहायक के साथ परीक्षा में शामिल हुए था। कलेक्टर ने उक्त अभ्यर्थी को आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा में शामिल करने के निर्देश दिए । परीक्षा के नोडल अधिकारी श्री भागीरथी खांडे ने बताया कि परीक्षा के लिए 18 केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा में शामिल होने के लिए 10088 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। प्रथम पाली प्रातः 10 से 12 बजे तक आयोजित हुई जिसमें 7702 उपस्थित रहे जबकि 2386 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे वही द्वितीय पाली अपरान्ह 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित हुई जिसमें 7560 उपस्थित थे और 2528 अभ्यर्थी अनुस्थित थे। द्वितीय पाली में 142 अभ्यर्थी अधिक अनुपस्थि रहे। परीक्षा केंद्र शासकीय बहुउद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में सर्वाधिक 700-700 अभ्यर्थियों के लिए बैठक व्यवस्था था।

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत का दौरा कार्यक्रम

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत भगत 13 फरवरी को प्रातः 10 बजे शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर के प्रेक्षा गृह में आयोजित छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के कार्यक्रम में शामिल होंगे। श्री भगत प्रातः 11 बजे पीजी कॉलेज प्रेक्षा गृह से बैकुंठपुर जिला कोरिया के लिए प्रस्थान करेंगे।

एफआरए आदर्श ग्राम जाज में हुआ समस्या समाधान शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देशानुसार जनपद पंचायत ओडगी में विकासखंड स्तरीय एफआरए आदर्श ग्राम समस्या समाधान शिविर ग्राम पंचायत जाज में किया गया। जहां शासन के द्वारा संचालित सभी प्रकार की योजनाओं की जानकारी ग्रामीण जनों को दी गई एवं ग्रामीण जनों की समस्याओं को सुनकर निराकृत किया गया। शिविर में 55 आवेदन प्राप्त हुए।

प्राप्त आवेदनों में सड़क निर्माण, कूप निर्माण एवं वन अधिकार पट्टा के आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच किया गया एवं पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं हेतु दवाई का वितरण किया गया।

शिविर में जनपद सीईओ श्री रणवीर साय, मनरेगा पीओ श्री महेंद्र कुशवाहा सहित स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पशु विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पीएचई विभाग के अधिकारी, सरपंच एवं स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिले में हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

- वर्चुअल और वास्तविक उपस्थिति मोड से ग्यारह सौ से अधिक मामले निपटाए गए

- संवाददाता -
सूरजपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दिशा निर्देशन में 11 फरवरी 2023 को जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर, कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर, तालुका न्यायालय प्रतापपुर एवं समस्त राजस्व न्यायालयों में हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला न्यायालय सूरजपुर के सभा कक्ष से जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर श्री गोविन्द नारायण जांगड़े. व अधिकारीगण द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। लोक अदालत में प्रकरण के पक्षकारों को भौतिक रूप से एवं वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग दोनों मुख्य माध्यमों से मामलों में सुलक की सुविधा प्रदान की गई। वहीं इस लोक अदालत में जिला चिकित्सालय सूरजपुर से समन्वय समिति कर चिकित्सा जांच की व्यवस्था कराई गई थी जिसमें 300 से अधिक पक्षकारों ने चिकित्सा सुविधा का लाभ प्राप्त किया हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में वर्षो से लंबित आपसी विवाद के मामले, व्यवहार वाद, मोटर दुध टिना दावा, परिवारिक विवाद, जिला न्यायालय में लंबित राजस्व प्रकरणों एवं बैंक ऋण, विद्युत, जल के बकाया देयकों का प्री लिटिगेशन यातायात के सामान्य मामलों को नेशनल लोक अदालत में रखा गया। लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिले में कुल 29 खण्डपीठ गठित किये गये थे। हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में समस्त न्यायालयों से 642 लंबित प्रकरण एवं 6281 प्री-लिटिगेशन प्रकरण विचारार्थ में रखे गये थे। जिसमें कुल 1140 प्रकरण के पक्षकारों में आपसी समझौते के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण कर कुल 22738990/- रूपये का जिला सूरजपुर द्वारा अवार्ड पारित किया गया। लोक अदालत में कुल 1140 प्रकरणों से संबंधित पक्षकारगण लाभान्वित हुये।

जिन पर है वनों के संरक्षण का दारोमदार,वही बन रहे विनाश के जिम्मेदार

- औचित्यहीन सड़क निर्माण के लिए हजारों की तादाद में काटे जा रहे वृक्ष
- कोरिया जिले के वन विभाग को वन बचाने में दिलचस्पी कम निर्माण में दिलचस्पी ज्यादा
- निर्माण में रेंजर सहित अधिकारियों को लाभ कमाने की ऐसी चाह की प्राकृतिक को नुकसान पहुंचाने से भी नहीं आते बाज
- कोरिया जिले में यदि कहीं सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है तो वह है वन विभाग में

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर, 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

आरंभ से यही माना जाता रहा कि वृक्ष और वन सुरक्षित रहे तो ही जनजीवन सुरक्षित रह पाएगा। क्योंकि वायु,जल, मृदा संरक्षण, तापमान नियंत्रण जैसी महती चीजें वनों के अस्तित्व पर ही निर्भर करती हैं। पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण कारक है वृक्ष और वन संपदा। वैसे तो इनके सुरक्षा की जवाबदारी पूरे मानव समुदाय की है। परंतु एहतियात की दृष्टि से सरकारों द्वारा वन विभाग अलग ही गठित किया गया है, जिनका मुख्य कार्य वनों का संरक्षण, वन्य जीवों का संरक्षण एवं वन संपदा में उत्तरोत्तर विधि करने का है। परंतु जब रक्षक ही भक्षक का कार्य करने लगें तो विनाश होना तय है। जब तक मानव जाति की पहुंच वनों के भीतर तक नहीं थी, वन संरक्षित और सुरक्षित थे। तथाकथित आधुनिक विकास की बुनियाद ने अभिन्न के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। वनों के भीतर अवैधानिक निर्माण कार्यों ने निरंतर क्षति पहुंचाई है। तथाकथित विकास क्रम के कारण हजारों लाखों वृक्ष बेवजह काटे जा रहे हैं।

ताजा मामला ग्राम पंचायत बरदिया के आगे गोबरी जलाशय के ऊपर सर्व पूजनीय चामट पहाड़ का है। जहां वन विभाग द्वारा औचित्यहीन सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसे पहाड़ के ऊपर ले जाकर छोड़ा जा रहा है। इस निर्माण कार्य की वजह से हजारों पेड़ों की कटाई कर दी गई है। एक ओर जहां पर्यावरण विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि विषम परिस्थिति को छोड़ वनों के अतिरिक्त कहीं भी हरे भरे वृक्षों को काटना मना है। वहीं वन विभाग द्वारा सड़क निर्माण के लिए हजारों वृक्षों की बलि देना कहां तक जायज है। जबकि इस अंत हीन सड़क से किसी विशेष सुविधा की प्राप्ति नहीं होने वाली। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे निर्माण कार्यों की स्वीकृति कैसे और क्यों मिल जाती है?? जबकि जिम्मेदार उच्चाधिकारियों को भी यह बात पता होती है कि ऐसे निर्माण कार्यों के फल स्वरुप वनों का विनाश होना तय है। आंकड़ों में चाहे लाख दावे किए जाएं, परंतु हर वर्ष होने वाले इस प्रकार के निर्माण कार्यों से वनों का क्षेत्रफल लगातार कम होता जा रहा। जबकि यह ऐसे संरक्षित क्षेत्र हैं जहां पर वन विभाग के अतिरिक्त अन्य किसी का हस्तक्षेप भी नहीं चलता। अन्य विभाग के किसी भी प्रकार के कार्य के लिए वन विभाग का अनापत्ति लेना आवश्यक होता है। परंतु जब विभाग स्वयं ऐसे कृत्यों के लिए जिम्मेदार हो तो सवाल उठना लाजमी है।

कटे वृक्षों की गणना ना हो पाए, इसके लिए ठुंठों को नेस्तनाबूद किया जा रहा

सड़क निर्माण कार्य के लिए हजारों की तादाद में जो वृक्ष काटे गए हैं, उनके गिनती को छुपाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही एवं जेसीबी तथा अन्य बड़ी मशीनों के माध्यम से काटे गए वृक्षों के ठुठों को या तो खोद कर उसके ऊपर मिट्टी डाली जा रही या किसी भी प्रकार से? इनको गायब किया जा रहा। ताकि कटे हुए हरे भरे वृक्षों की गणना न की जा सके। यदि सड़क निर्माण के लिए काटे जाने वाले वृक्षों की स्वीकृति जायज है, तो फिर कटे वृक्षों की गिनती छुपाने के लिए ऐसा प्रयास क्यों किया जा रहा? यह बड़ा सवाल है या फिर सड़क निर्माण की स्वीकृति के लिए गलत आंकड़े पेश कर स्वीकृति हासिल की गई होगी, जिसमें यह दर्शाया गया होगा कि अधिक वृक्षों को काटने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सवाल यह उठता है कि निर्माण कार्य में संलिप्त अधिकारियों को जमीनी स्तर पर जब वास्तविक जानकारी होगी ही तो वनों को विकसित करने के बजाए विनाश की मंशा क्यों?

वन विभाग के अनाप-शनाप निर्माण कार्यों से वनों का अस्तित्व खतरे में

निर्माण कार्यों से अर्जित लाभ की मंशा ने वनों के भीतर तक विभिन्न प्रकार के तथाकथित विकास यथा सड़क, तालाब, पुल पुलिया, शेल्टर हाउस जैसे निर्माण ने आम इंसान की पहुंच वनों के भीतर तक पहुंचा दी। जिससे न तो वन सुरक्षित रह पाए ना ही वन्यजीव। आलम यह है कि जंगल तो शनै शनै समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं और जंगली जानवर शहर की ओर। जिनकी बानगी यदा-कदा देखने को मिल जाती है। वनों के भीतर अधिकांश होने वाले निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार की शिकायतें भी लगातार मिलती रहती हैं। परंतु विभाग के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। आलम ऐसा ही रहा तो एक दिन ऐसा आएगा कि ना तो वन बचेंगे और ना ही वन विभाग।

कोरिया के पटना स्थित देवगढ़ धाम का मामला करोड़ो रूपये के निर्माण के लिए पेड़ों की बलि

पटना स्थित ग्राम पंचायत करहीयाखाड़ के नानभान देवगढ़ धाम में वन विभाग के द्वारा करोड़ो रुपये की लागत से देवगढ़ धाम चामट पहाड़ के बिचो बिच त्रिलोकी धाम तक मशीनों से सड़क का निर्माण कार्य कराई जा रही है। जबकि साल में एक बार ही श्रद्धालुओं का आना जाना होता है वह भी वह पहाड़ के रास्तों से धाम तक पहुंचकर पूजा-अर्चना बड़ी आसानी से कर लेते हैं, एक समय के लिए आवागमन को लेकर करोड़ों रुपए खर्च कर पहाड़ को तोड़ कर पेड़ों को काटकर कच्ची सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है जो पहली बरसात में ही धारा सही हो जाएगी इस बात का भी अंदेशा आज से ही लगाया जा रहा है। वहीं दुसरी तरफ सड़क निर्माण कार्य के दौरान पहाड़ के हरे भरे वृक्षो को विभाग के द्वारा बड़ी बेरहमी से कटाई कराई जा रही है। सूत्रो के अनुसार वन विभाग ने पेड़ो को काटने का कोई आदेश संबंधित ठेकेदार को नहीं दिया गया है। वही देवगढ़ धाम के प्रांगण मे भी निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा जमकर अनियमितता को जा रही है।

निर्माण कार्य में गड़बड़ी,छुपाने के लिए ठेकेदार के दलाल पत्रकारो को निर्माण स्थल आने से रोकते है

देवगढ़ धाम मे वन विभाग को सड़क निर्माण कार्य के लिए करोड़ो रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति राशी के बावजूद संबंधित अधिकारी व ठेकेदार के द्वारा आपसी सांठ गांठ कर निर्माण कार्यो में खुलेआम स्तरहीन निर्माण सामाग्रियों का उपयोग कर रहे है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पत्रकारों ने इसकी जानकारी लेने देवगढ़ धाम पहुंचे तो निर्माण स्थल पर पहले उपस्थित ठेकेदार के नामी दलाल पत्रकारो को निर्माण स्थल का फोटो विडियो बनाने पर आपति करते हैं। दलालो का कहना है की हमें अधिकारियों ने कह रखा है की जबतक निर्माण कार्य चलेगा तब तक किसी भी पत्रकार को निर्माण स्थल का फोटो विडियो ना बनाने देना।

आखिर निर्माण स्थल पर क्यों नहीं लगा है सुचना पटल?

वन विभाग के द्वारा देवगढ़ धम मे करोड़ो रूपये की लागत से सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा। लेकिन संबंधित अधिकारी निर्माण स्थल पर सुचना पटल लगाना भुल चुके है। जिससे देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वन विभाग के अधिकारी निर्माण कार्य को लेकर कितने गंभीर है। विभागीय निर्माण कार्यों मे कार्य शुरू करने से पहले निर्माण स्थल पर एक सुचन पटल बनाकर उसमें योजना लागत राशि सहित निर्माण कार्य की पुरी जानकारी अंकित करनी होती है। स्थानीय ग्रामीणो का कहना है की वन विभाग का अधिकांश निर्माण कार्य में बिदित बोर्ड नहीं लगाया जाता है। लेकिन जैसे ही निर्माण कार्य पूर्ण होता है विभाग के द्वारा जैसे तैसे बोर्ड लगाकर प्रशासनिक राशि का बंदरबांट कर ली जाती है।

CMYK

जीवन में पहली व अंतिम बार सार्वजनिक रूप से वर्ष 2015 में मनाया गया था स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव का जन्मदिवस

कोरिया कुमार डां. रामचंद्र सिंह देव की यादों से जुड़ी कुछ तस्वीरें...

पूर्व वित्तमंत्री की प्रतिमा का होगा अनावरण

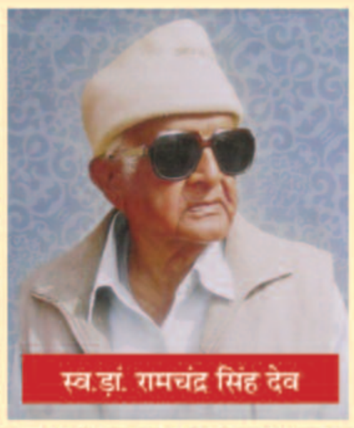
स्व.डां. रामचंद्र सिंह देव

जीवन में पहली व अंतिम बार सार्वजनिक रूप से वर्ष 2015 में मनाया गया था स्व. डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव का जन्मदिवस

सभा को संबोधित करते डां रामचंद्र सिंह देव

सीएम रमन सिंह के साथ धार्मिक पुस्तक का विमोचन करते डां. रामचंद्र सिंह देव

पटना में एक राजनीतिक मंच में कांग्रेस के सांसद व फिल्म अभिनेता राज बबर के साथ मंच में

बाजार में ग्रामिणों से मिलते व गांवों में जाकर ग्रामिणों से मिलकर सुख दुख सुनते डां. रामचंद्र सिंह देव

पटना पहुंचने पर इस तरह घंटो बैठा करते थे डां. रामचंद्र सिंह देव

बैकुन्ठपुर रेस्ट हाउस में अपनी भतीजी एवं कांग्रेस नेताओं के साथ डां. रामचंद्र सिंह देव

- क्या कोरिया कुमार के जाते ही कोरिया की तकदीर पर लग गया ग्रहण?
- पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने किया था आयोजन,बैकुंठपुर में हुआ था कार्यक्रम
- पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल के वर्ष 2015 में जन्मदिवस मनाए जाने के निर्णय का स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव ने किया था विरोध
- सादगी व दिखावे से दूर रहने व बेवजह के खर्चे के विरोधी स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव ने बड़ी मुस्कील से पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष के आयोजन में की थी शिरकत
- स्व.डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव की 92 वीं जन्मतिथि अवसर पर मनाई जाएगी उनकी जन्म जयंती, मुख्यमंत्री सहित कई मंत्री होगे शामिल
- पूर्व वित्तमंत्री की प्रतिमा का होगा अनावरण,40हजार लोग करेंगे भोजन
- पूर्व वित्तमंत्री स्व.डॉ रामचंद्र सिंहदेव की 92 वीं जन्मतिथि पर मुख्यमंत्री सहित कई कैबिनेट मंत्री होंगे जिले में
- चुनावी वर्ष में शक्ति प्रदर्शन की तैयारी तो नहीं?
- विधायक के घरेलू विवाद के बीच संपन्न होगा स्व. डॉ रामचंद्र सिंह देव का जन्मदिवस कार्यक्रम

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 12 फरवरी 2023 (घटती-घटना)।

राजा नहीं फकीर है कोरिया की तकदीर है यह नारा स्व. डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव के लिए लगाया जाता था और वह इस नारे के हिसाब से अपना जीवन भी जीते रहे और बिल्कुल फकीरों की तरह ही उनका अपना जीवन था जो क्षेत्र की जनता के लिए तो समर्पित था लेकिन वह कभी अपने लिए किसी प्रतिष्ठा का उद्देश्य लेकर साथ ही किसी प्रकार के दिखावे का उद्देश्य लेकर कभी चलते नहीं देखे गए जो उनकी सादगी से भरे जीवन को समझने के लिए काफी है। स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव कोरिया जिले के एक ऐसे जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी पहचान रखते थे जिन्हें कभी भी किसी प्रकार की सुविधा लेते नहीं देखा गया और ना ही उन्हे अपने लिए कोई आयोजन ही करते देखा गया या अपने लिए किसी आयोजन को उन्होंने सहमति ही अपने जीते जी दिया।

उनकी बेवजह के खर्चों के विरोध में होने की ही वजह से प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री ने उन्हे प्रदेश का प्रथम वित्तमंत्री तक बनाया और उन्हे प्रदेश के अर्थ की जिम्मेदारी दी जबकि उसके बाद से किसी मुख्यमंत्री ने ऐसी हिम्मत नहीं की और वित्त अपने पास ही रखना मुनासिब समझा। स्व रामचंद्र सिंहदेव का जीवन में एक ही बार जन्मदिवस उनके जीते जी मनाया गया जो वर्ष 2015 में मनाया गया जो उनके समर्थक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने मनाया जबकि अशोक जायसवाल द्वारा किए जा रहे आयोजन को भी स्व. डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव ने यह कह कर आयोजन न करने की बात कही की उनके जीवन का एक वर्ष कम हो रहा है और इसमें उत्सव या आयोजन का कोई विषय बनता ही नहीं है, वैसे 2015 के आयोजन में स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव शामिल हुए और उन्होंने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्हीं के जन्मदिन उत्सव में उन्हें ही शामिल होने के लिए मनाया गया इसके बावजूद उन्होंने कहा कि ठीक है कार्यक्रम तो कर रहे हो पर खर्चा ज्यादा मत करना। उन्हें शुरू से ही फिजूलखर्ची पसंद नहीं थी इनके इस सोच से पूरा जिला ही वाकिफ था अब इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिनके लिए कार्यक्रम रखा जा रहा है जिन पर पैसे उन्हें नहीं किसी और को खर्च करना है उसके खर्चे की भी चिंता उन्हें होती थी और वह बिल्कुल भी नहीं चाहते थे कि कोई बेफिजूल का खर्चा करें।

आज 13 फरवरी को होगा प्रतिमा का अनावरण

पूर्व वित्तमंत्री स्व. डॉ.रामचंद्र सिंहदेव का जन्मदिवस 13 फरवरी को आता है, अपने जीवित रहते उन्होने जन्मदिवस सादगी पूर्ण ही मनाना उचित समझा। दिखावे से दूर वे पैलेस में ही समर्थको से मिलते और ज्यादातर सोनहत क्षेत्र के दौरे पर जाते थे। उनके जन्मदिवस पर कभी भी सार्वजनिक कार्यक्रम नही किया गया। लेकिन इस बार बड़े कार्यक्रम की तैयारी है। नगरपालिका परिषद द्वारा पूर्व अध्यक्ष अशोक जायसवाल के कार्यकाल में घड़ी चैक से घड़ी हटाकर पूर्व वित्तमंत्री स्व. डॉ.रामचंद्र सिंहदेव की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव पास किया गया था जिसके बाद स्व.सिंहदेव की प्रतिमा पिछले वर्ष ही लगा दी गई है,इसका अनावरण भी काफी पहले किया जा सकता था लेकिन चुनावी लाभ लेने के उद्वेश्य से इस वर्ष प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है। प्रतिमा का अनावरण प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ.चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, कृषि मंत्री रविन्द्र चैबे, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम समेत अनेक नेताओ के पहुंचने की उम्मीद है। कार्यक्रम की तैयारी में विधायक और संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव द्वारा पूरी ताकत लगाई गई है।

92 वीं जन्म जयंती अवसर पर आज है भव्य आयोजन

स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव के 92 वें जन्म जयंती अवसर पर आज बैकुंठपुर में भव्य आयोजन किया जा रहा है। स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव जो हमेशा किफायत को लेकर चला करते थे बेवजह के खर्चों का जो विरोध करते थे उनकी याद में यह आयोजन कितना सही कहा जा सकता है यह समझा जा सकता है। वैसे उनके देहांत के पश्चात कई बार उनकी याद में कार्यक्रम किए गए और यह भी उनकी याद में किया जाने वाला कार्यक्रम है जिसमें प्रदेश में मुख्यमंत्री भी शामिल होने जा रहें हैं। स्व डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव को जानने वाले केवल इतना ही कहते सुने जा सकते हैं की वह जीते जी हमेशा बेवजह के खर्चों के विरोधी रहे और उन्हे यह बिल्कुल पसंद नहीं था।

क्या कोरिया कुमार के जाते ही कोरिया की तकदीर खराब हो गई?

कोरिया जिले में स्वर्गीय डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव के लिए एक लाइन बोली जाती थी वह लाइन थी राजा नहीं फकीर थे कोरिया के तकदीर थे क्या उनके जाने के बाद कोरिया की तकदीर खत्म हो गई? उसका जीता जागता उदाहरण कहीं ना कहीं कोरिया जिले का विभाजन है, उनके जाने के बाद ऐसा लगा कि कोरिया की तकदीर वाकई में खराब हो गई है जैसा आज की स्थिति में देखा भी जा रहा है। कोरिया कुमार के जाते ही जिले का विभाजन हुआ जिले का अस्तित्व ही एक तरह से समाप्त हो गया और अब जिले के हिस्से में इतना भी नहीं रह गया है जो जिले के अस्तित्व के लिए आवस्यक है। स्व. डॉक्टर रामचंद्र सिंहदेव ने अपने जीवन काल में कभी यह कल्पना भी नहीं की होगी की उनके जाते ही जिले को विभाजन का दंश झेलना होगा और वह यदि होते तो शायद ही विभाजन होता।

डॉ.रामचंद्र सिंहदेव के निधन से कोरिया जिले को एक अपूर्णनीय क्षति हुई थी,कोरिया ने अपना राजा खो था आज भी उनकी कमी खलती है

कोरिया वासी कोरिया कुमार ड़ां. रामचंद्र सिंह देव के लिए नारा लगाते थे ''राजा नहीं फकीर है, कोरिया की तकदीर है।'' कोरिया कुमार कोरिया जिले के हर व्यक्ति के दिल में राज करते थे, छ0ग0 में ही नहीं पूरे देश में उनकी अलग पहचान बनी हुई थी। जितने भी चुनाव लड़े सब में जीत मिली, राजनीति में अपराजेय योद्धा के रूप में जाने जाते थे क्योंकि चुनाव में बतौर प्रत्याशी उन्हें कभी भी ऐसा मौका नहीं मिला कि उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा हो। ड़ां. रामचंद्र सिंह देव के निधन से कोरिया जिले को एक अपूर्णनीय क्षति हुई थी वहीं कोरिया वासियों ने अपना राजा खो दिया था आज भी उनकी कमी खलती है।

इस उपलब्धि से जिले के अलावा प्रदेश व विश्व भर में मिली थी प्रसिद्धि

राजनीतिक दृष्टि कोण से छत्तीसगढ़ में देश व प्रदेश को ऐसा कद्दावर नेताओं की उपज दी जो अपनी राजनीतिक दूरदर्शिता कार्य कुशलता और संघर्षशील व्यक्तित्व के माध्यम से राजनीतिक के आकाश में चमकते हुए सितारे बन कर उभरे, छत्तीसगढ़ के प्रथम वित्तमंत्री कोरिया के माटी के सपूत लाड़ले जनप्रतिनिधि और कोरिया कुमार के नाम से विख्यात ड़ां. रामचंद्र सिंह देव प्रदेश ही क्या समूचे हिन्दुस्तान में अपनी एक अलग पहचान रखते हैं, कोरिया जिले में विकास का पर्याय माने जाने वाले ड़ां. रामचंद्र सिंह देव न केवल एक श्रेष्ठ राजनीतिज्ञ के रूप में स्थापित हुए बल्कि विद्वान, चिंतक व सामाजिक विकास की प्रतिमूर्ति माने जाते थे, आज के भैतिकतावादी जीवन शैली में भी सादगीपूर्ण जीवन और सात्विक विचारों को अपनाने वाले दुलारे जन नायक ड़ां. रामचंद्र सिंह देव वास्तव में अति पिछड़े कोरिया जिले के जन मानस के मन मस्तिष्क में देव तुल्य स्थापित हैं।

आयोजन मात्र शक्ति प्रदर्शन का माध्यम

यह आयोजन सिर्फ और सिर्फ शक्ति प्रदर्शन का माध्यम माना जा रहा है,खोई हुई जमीन वापिस करने का यह प्रयास कितना कारगार साबित होगा यह तो भविष्य के गर्त में है लेकिन इतना जरूर है कि विधायक अंबिका सिंहदेव अब राजनीति के मैदान में पूरी तरह डट चुकी हैं,पार्टी में ही उनके विरोधियों की संख्या कम नही है लेकिन विरोधी भी उनके आगे दबे रहने में ही भलाई समझते हैं आज कांग्रेसी नेताओं की विधायक से दूरी जगजाहिर है लेकिन मौका पड़ने पर वे विधायक के कार्यक्रम मे शामिल भी होते है उनके इर्द गिर्द दिखलाई भी देते हैं।

राजा रामानुज प्रताप सिंह देव के सबसे छोटे पुत्र कोरिया कुमार का जन्म 13 फरवरी 1930 को हुआ था

कोरिया रियासत की तात्कालिन राजधानी बैकुन्ठपुर में कोरिया रियासत के राजा रामानुज प्रताप सिंह देव के सबसे छोटे पुत्र के रूप में 13 फरवरी 1930 को बैकुन्ठपुर के मिट्टी में एक साधारण से घर में जन्म लेने वाले कोरिया कुमार का राजनीतिक भविष्य इतना उज्जवल होगा इसकी भविष्यवाण तक किसी ने नहीं की थी। बहुमुखी प्रतिभा के धनी ड़ां. रामचंद्र सिंह देव तब 1935 से 1938 तक शिलांग में पढ़े इनकी प्रारंभिक शिक्षा सेंट एड़मंड़ कालेज में संपन्न हुई। 1938 के राजकुमार कालेज रायपुर में कोरिया कुमार ने नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययन कार्य पूर्ण किया, इसी कालेज में अध्ययन की समयावधि में ही ड़ां. रामचंद्र सिंह देव सामाजिक कार्यों की ओर आकर्षित हुए, सरगुजा महाराजा एमएस सिंह देव के साथ मिलकर कोरिया कुमार ने रायपुर जेल के कैदियों को पढ़ाने का दायित्व उठाया और ये नियति रूप से जेल परिसर रायपुर में जाकर कैदियों के बीच ज्ञान बांटते थे। उन्हीं दिनों कोरिया कुमार ने कई रचनात्मक सामाजिक कार्यों में भी जनभागीदारी की। वर्ष 1944 कोरिया कुमार के लिए अति महत्वपूर्ण रहा जबकी वे जूनियर कैम्ब्रेज लंदन में प्रवेश हेतु आयोजित परिक्षा में उत्तीर्ण हुए थे, इन्टर मीडिएट परीक्षा इलाहाबाद से उत्तीर्ण करने के पश्चात 1945 में इलाहाबाद में यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया, ड़ां. रामचंद्र सिंह देव के लिए यदि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को राजनीति की प्रथम पाठशाला कहा जाए तो गलत नहीं होगा।

छात्र संघ चुनाव से शुरू हुई थी स्व. डॉ.रामचंद्र सिंहदेव की राजनीति का सफर

पूर्व प्रधान मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह व चंद्रशेखर के सहपाठी रह चुके डां. रामचंद्र सिंह देव 1950 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के लिए छात्र संघ के उपाध्यक्ष चुने गए, तात्कालिन समय में छात्र संघ चुनाव को अति महत्वपूर्ण प्राप्त थी, इसके महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि छात्र संघ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधान मंत्री तक हिस्सा लिया करते थे, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पढ़ते हुए ही ड़ां. रामचंद्र सिंह देव 1951 में रसायन शास्त्र जैसे जटिल विशय स्नात्कोत्तर की उपाधि धारण की अध्ययन कार्य समाप्त करने के पश्चात ड़ां. रामचंद्र सिंह देव कलकत्ता आ गए, यहां इन्होंने 1952 से 1967 तक व्यापार किया इस दौरान राजनीति के संपर्क में भी आए और प्रारंभिक समय में भारतीय कम्यूनिष्ट पार्टी के सदस्य रहे, 1967 में व्यापार छोड़ने के पश्चात् ही पहली बार सक्रिय राजनीति में कूदे, 1967 में ही विधान सभा के लिए ड़ां. रामचंद्र सिंह देव ने पहले चुनाव का सामना किया, पहले ही चुनाव में बैकुन्ठपुर सामान्य सीट विधान सभा की जनता ने इन्हें दिल खोल कर जन समर्थन दिया और कोरिया कुमार ड़ां. रामचंद्र सिंह देव ने रिकार्ड मतों से विजयश्री प्राप्त किया, उस समय क्षेत्र के 64 हजार मतदाताओं में से 45 हजार मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया जिसमें से 35 हजार मत अकेले ड़ां. रामचंद्र सिंह देव को मिले, पहले ही चुनाव में डॉ. रामचंद्र सिंह देव व्यापक जनाधार वाले राजनेता के रूप में स्थापित हो गए, कोरिया कुमार का व्यक्तित्व लोकप्रियता को देखकर ही 1967-1968 में गोविन्द नारायण मंत्री मंडल में इन्हें 18 महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व सौंपा गया, 6 माह तक मध्यप्रदेश का 2 तिहाई शासन इन्हीं के पास रहा इतने सारे विभागों का दायित्व लेने के बाद तारीफ करनी होगी इस बात के लिए कि इनके शासन काल में 18 विभागों में से किसी भी विभाग ने इन पर एक भी आरोप नहीं लगे, डॉ. रामचंद्र सिंह देव के राजनीतिक जीवन का सफर चलता रहा, एक के बाद एक सभी चुनावों में कोरिया कुमार जनता के और भी अधिक नजदीक आ गए 1976-1977 में श्यामाचरण मंत्री मंडल में सिंचाई मंत्री के रूप में इन्होंने शपथ ग्रहण किया, सिंचाई के क्षेत्र में अपनी अदभूत दूरदर्शिता का परिचय देते हुए डॉ. रामचंद्र सिंह देव अति अल्प समय में ही सिंचाई विशेषज्ञ के रूप में देष में ही नहीं अपितु देश की सीमाओं के पार अपनी पहचान बना ली, 1995 से इनके बताए रास्ते पर न केवल भारत में बल्कि समूचे विश्व मे जागृति आई और छोटे बांधों के आधार पर जलग्रहण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई, बड़े बांधों के निर्माण से होने वाले नकारात्मक तथ्यों पर सर्वप्रथम चिंतन कोरिया कुमार ने ही किया और बड़े बांधों के निर्माण का पुरजोर विरोध किया तथा छोटे बांधों के निर्माण और उपयोगिता की जमकर वकालत की। 1982 में इनके ही द्वारा छोटे बांधों के उपयोगिता पर लिखी गई पुस्तक सभ्यता हड़बड़ी में विश्व में सिंचाई योजनाओं के मद्देनजर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक मानी जाती है। 1998 के विधानसभा के चुनाव में विजय मतों में बढ़त के हिसाब से डॉ. रामचंद्र सिंह देव अविभाजित मध्यप्रदेश में दूसरे स्थान पर थे तब दिग्गविजय सिंह मंत्री मण्डल में इन्हें एक बार पुनः सिंचाई मत्री बनाया गया तत्पश्चात छत्तीसगढ़ गठन के बाद वर्ष 2000 में कोरिया कुमार के राजनीतिक सफर दूरदर्शिता व उपलब्धियों को देखते हुए अजीत जोगी मंत्री मंडल में वित्त मंत्रालय सहित कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई, वित्त मंत्री के रूप में ड़ां. रामचंद्र सिंह देव ने अपनी दूसरी पारी की शानदार शुरवात की और कम समय में ही भारत के सर्वश्रेष्ठ वित्तमंत्री के कतार में खड़े हो गए, यह कोरिया कुमार के कार्यकुशलता का ही प्रतिफल रहा कि तब छत्तीसगढ़ देश का एक मात्र ऐसा प्रदेश बना जो अपनी स्थापना दिवस से ही एक दिन भी ओवर ड्राप नहीं हुआ, आबकारी मंत्री के रूप में कोरिया कुमार ने पूरे प्रदेश की आबकारी नीति में अमूल्य परिवर्तन किये, छत्तीसगढ़ को शराब माफिया से छुटकारा दिलाने के लिए पूरी क्षमता के साथ कार्य कर दिखाया तब वित्त मंत्रालय के साथ आबकारी मंत्री होने के बावजूद कोरिया कुमार लोगों को शराब से दूर रहने की बात कहते, विकास के कार्यों में डॉ. रामचंद्र सिंह देव ने केवल प्रदेश में वरन सम्पूर्ण देश में श्रेष्ठ विद्वान माने जाते हैं, डॉ. रामचंद्र सिंह देव की योग्यता व प्रदेश के लिए उनके योगदान को शब्दों में बांध पाना निश्चित ही कठिन कार्य है, कोरिया वासियों के लिए गौरव की बात थी कि डॉ. रामचंद्र सिंह देव जैसा एक ऐसा जनप्रतिनिधि उनके बीच में था जिसने अपना सारा जीवन क्षेत्र की जनता के उत्थान में लगा दिया, 89 वर्ष के उम्र की इस दहलीज में भी कोरिया कुमार की कार्यक्षमता यथावत रहा, क्षेत्र की जनता से कोरिया कुमार की घनिष्ठता का यह एक पुख्ता उदाहरण था कि अपने जिला प्रवास के दौरान हमेशा ही इन्होंने ग्रामीण अंचलों में अपना अधिकतम समय व्यतीत किया, सादगी से परिपूर्ण जीवन शैली ने कोरिया कुमार के व्यक्तित्व को और भी आकर्षक व सहज बना दिया था, ड़ां. रामचंद्र सिंह देव जैसे सफल व दूरदर्शिता, सहज व सरल व्यक्तित्व के धनी जन प्रतिनिधि की कमी प्रदेश को ही नहीं वरन सम्पूर्ण देश को को खलेगी, कोरिया कुमार जैसे व्यक्ति का व्यक्तित्व आदर्श ही नहीं बल्कि अनुकरणीय है, 89 वर्ष के उम्र में भी पूरे क्षेत्र की विकास के लिए इनका प्रयास व चिंता साफ तौर से देखा जा सकता था क्षेत्र की जनता को सदैव इनकी कमी महसूस होगी।

गरीबों से खरीदा गया चावल पहुंचाया जा रहा सीधे राइस मिलों में

- खाद्य विभाग कार्यवाही के नाम पर कर रहा है खानापूर्ति
- खादय विभाग के अधिकारी कहते हैं कैसे पकड़े बोरी बदली रहती है
- खादय विभाग के अधिकारियों के कार्य प्रणाली पर उठ रहे तरह तरह के सवाल,उचित मूल्य के चावल को लेकर खुलेआम जारी है कालाबाजारी
- पीडीएस के चावल खरीदी बिक्री में बिचौलिए जिले एवं विकास खंड मे हैं सक्रिय,जानबूझकर अनजान बना बैठा है जिले का खाद्य विभाग, अधिकारी भी बैठे हैं मौन

- राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में छत्तीसगढ़ सरकार की सबसे बड़ी महत्वकांक्षी योजना जिसमें गरीब परिवारो को एक रुपए किलो चावल दिए का प्रावधान है और गरीब रेखा से ऊपर जीवनयापन करने वालों के लिए 10 रूपये किलो चावल दिए जाने का प्रावधान है।लेकिन इस योजना के आड़ में उचित मूल्य में मिल रहे चावल की कालाबाजारी का बड़ा खेल चल रहा है इस विकास खंड मे प्रति माह लगभग हजारो विंटल चावल जो शासकीय उचित मूल्य की दुकानो से वितरण किया जाता है,उसे गांव के कुछ चर्चित बिचौलिए एवं कोचियों द्वारा राशन कार्ड धारियों से ऊंचे दाम पर घर घर चार पहिया वाहनों मे भरकर एवं हाट बाजारों मे फड लगाकर धडल्ले से खरीदते देखे जा सकते हैं और अपने निर्धारित अड्डों पर खरीद कर राइस मिलरो के पास बेचा जाता है,यह खरीदी लगभग विभिन्न कोचियों एवं दलालों के माध्यम से प्रीतिदिन पूरे विकास खंड सतर पर लगभग 10से 15 लाख रुपए तक की खरीदी बताई जाती है, और यह खेल खाद्य विभाग के संरक्षण में कथित रूप से विकास खंड में जारी है और खाद्य विभाग सबकुछ जानकर भी मौन और मूकदर्शक बना है।

पीडीएस के चावल की बारीकी से जांच करने की जरूरत

क्षेत्र के चर्चित कौचिए एवं दलालों और पीडीएस दुकान संचालकों की जांच कराई जाए तो इनके कई काले कारनामों का चिठ्ठा खुल जाएगा। सूत्रों की माने तो पूरे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पीडीएस के चावल की खरीदी कर रहे हैं, क्षेत्र के दर्जनों कौचिए एवं दलाल शहर के सफेदपोश राइस मिलरो के लिए काम कर रहे हैं क्षेत्र के हाट बाजारों मे धडल्ले से दिन दहाडे भर ऑटो और पिकअप गांव एवं सभी वार्डों में जाकर राशन कार्ड धारियों से माल खरीदते हैं और अपने गोदामों में स्टाक करते हैं और धडल्ले से सफेद बोरीओ मे भरकर खुलेआम दिनदहाड़े

इनके करीबी सफ़ेद पोश राइस मिलर के यहां ऊक्त चावल को पहुचाते है यह खेल पूरे क्षेत्र में पूरी तरह रात दिन खेला जा रहा है।

एक रूपए किलो का चावल खरीद राइस मिलरो को बेचा जा रहा 20 रूपए में

पीडीएस आ चावल कौचिए एवं दलाल कथित गरीबी रेखा राशन कार्ड धारियों से 1 रूपए किलो का चावल 15 रूपए किलो में खरीदकर राइस मिलरो को रूपए 20 के दर से बेचते हैं, क्षेत्र राइस मिलरो का क्षेत्र मे दबदबा होने के कारण स्थानीय प्रशासन भी उनके आगे नतमस्तक रहता है।

छत्तीसगढ़ शासन के नए नियमों के आधार पर यदि पीडीएस के चावल की कोई भी खरीदी बिक्री करता है तो उस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम और अन्य पीडीएस की धाराओं के तहत सीधे जेल भेजने के निर्देश हैं।

इस मे खादय विभाग के अधिकारी कहते हैं कि चावल में यह तो नहीं लिखा होता कि ये चावल पी डी एस का है,शासन के नियमों के अनुसार यदि सरकारी बरदाने में है तो वही चावल सरकारी माना जाएगा इस आधार पर कौचिए एवं दलाल प्लास्टिक की बोरियों में चावल एकत्र करते हैं इन्हीं प्लास्टिक की बोरियों में राइस मिल तक चावल पहुंचाते भी है,

पीडीएस के चावल की खरीदी बिक्री में लाखों रुपए प्रति महीना कमाया जा रहा है और इस तरह से शासन के आंखों में धूल झोंकने का काम किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार का चावल बिचौलियों के लिए लाखों रुपये कमाई का जरिया

पूरे जिले में प्रत्येक महीने लगभग पचासो हजार किंटल चावल की खपत होती है उसी तरह से जिले में फर्जी कार्ड धारियों की भी संख्या बहुत अधिक है इन फर्जी गरीब कार्ड धारियों का चावल कौचिए खरीद लेते हैं इस पूरे जिले से लगभग चावल 25 से 26 हजार किंटल चावल वापस राइस मिलरो के बहुत ही आसानी से उन तक पहुंच जाता है फिर से राइस मिलर उस चावल को साफ सफाई करके सरकारी बरदाने में पैक कर खाद्य अधिकारी के निर्देश पर सरकारी एफसीआई गोदामो में प्रतिदिन भेजते रहते हैं और फिर से वह चावल पीडीएस दुकानों में भेजा जाता है सरकारी दुकानों से फिर आम जनता तक पहुंच जाता है आधा चावल आम जनता के उपयोग में आता है और फिर ऊंचे दाम पर ये लाचार और गरीब कार्ड धारी लोग पुनः उन कौचिए और दलालों को बेचते हैं कौचिए एवं दलाल राइस मिलरो को भेजते हैं और इस तरह से खरीदी बिक्री का बड़ा खेल लगातार क्षेत्र में दिनदहाड़े खुलेआम खेला जा रहा है।

ठेकेदार अरुण वर्मा के मामले में पुलिस ने दर्ज किया एफ़.आई.आर. कई पहलू पर की जा रही जांच

- संवाददाता -
कोरबा, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

पिछले दिनों लहूलुहान हालत में अपनी कार में बेहोश मिले युवा ठेकेदार के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। रायपुर के अस्पताल में उपचाररत व्यवसाई की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है और उनके होश में आने का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस द्वारा विभिन्न बिंदुओं और अनेक पहलुओं पर पड़ताल कर रही है। बता दें की दिनांक 09 फरवरी को थाना में शाम 18~20 बजे आयुष वर्मा पिता स्व. राकेश वर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी इंदिरा विकास कॉम्प्लेक्स टी पी नगर के द्वारा दिये गये शिकायत की जांच उपरांत एफ आई आर दर्ज की गई है। प्रारंभिक जांच में तथ्य सामने आए हैं कि अरुण वर्मा को सख्त भोथले वस्तु से गंभीर चोट पहुंचाई गई है। 8-9 फरवरी की मध्य रात्रि करीब 1:30 बजे मुस्कान डेंटल क्लिनिक निहारिका के पास सिर में गंभीर चोट पहुंचा कर हत्या करने का प्रयास किया जाना पाए जाने पर सिविल लाइन थाना में आवेदक आयुष वर्मा की ओर से निरीक्षक नितिन उपाध्याय के द्वारा धारा 307 भादवि के तहत जुर्म दर्ज किया गया है। अरुण वर्मा पिता स्व. सुरेश वर्मा अपनी गाडी में बेहोश मिले थे एवं उनके सिर एवं हाथ पर गंभीर चोट आई है। अरुण वर्मा के साथ कोई अप्रिय घटना की आशंका व्यक्त करते हुए आयुष वर्मा ने जांच का आग्रह किया है।अरुण वर्मा पर किए गए हमले की घटना से उनके परिजनों सहित शुभचिंतकों में चिंता व्याप्त है द्वद्व आखिर किसने और क्यों अरुण वर्मा पर हमला किया, यह तो पुलिस की पूरी जांच और आरोपियों के पकड़े जाने पर ही स्पष्ट होगा। दूसरी तरफ इस बात की चर्चा नगर में गर्म है कि किसी परिचित का इस पूरे मामले में हाथ हो सकता है। कहा जा रहा है कि प्रारंभिक पड़ताल के दौरान अरुण वर्मा के कोसाबाड़ी में पानी टंकी के पास स्थित जिस दफ्तर में छानबीन की गई और खून के धब्बे मिले,उस दफ्तर के बारे में गिने-चुने लोगों और कुछ कर्मचारियों को ही पता था। इससे स्पष्ट है कि अच्छी तरह से जानकारी रखने वाले किसी शख्स के द्वारा या तो इस घटना को अंजाम दिया गया या किसी के माध्यम से अंजाम दिलवाया गया है। इस मामले को पुलिस द्वारा हर पहलू की जांच करने में जुटी हुई है जिससे जल्द से जल्द हमलावर तक पहुंच उसे सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके।

जैन स्कूल प्रबंधन पर आरटीओ ने लगाया 66 हजार रुपए समझौता शुल्क

- संवाददाता -
कोरबा, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

स्कूली बच्चों के परिवहन में लगे अनेक वाहनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो रही है। समय-समय पर एवं नियमित रूप से की जाने वाली जांच भले ही कागजों में नजर आती हो लेकिन हकीकत में यह तब दिखता है जब कोई घटना घट जाती है। पूर्व की घटनाओं को लेकर परिवहन विभाग के अधिकारी और मैदानी कर्मचारी भी सबक नहीं लेते बल्कि हादसे के होने का इंतजार करते हैं। ऐसे में वे स्कूल प्रबंधन अपने आपको ठगा महसूस करते हैं जो नियमों के मामले में अप टू डेट रहते हैं लेकिन नियमों का हवाला देकर उन्हें भी चमकाने से अमला बाज नहीं आता, और जो अनदेखी कर रहे हैं उनकी दुकानदारी चलती रहती है। कोरबा जिले के ग्राम गोढ़ी में संचालित जैन पब्लिक स्कूल की एक छोटी बस में शुक्रवार को कटघोरा-छुरी मुख्य मार्ग में आग लगने की घटना हुई। सौभाग्यवश इस घटना में कोई भी बच्चा अथवा चालक-परिचालक हताहत नहीं हुए लेकिन घटना छोटी नहीं थी। इस घटना के बाद परिवहन विभाग और उसके उड़नदस्ता की टीम को जैन पब्लिक स्कूल के वाहनों की जांच का ख्याल आया उड़नदस्ता की टीम ने शनिवार को ग्राम गोढ़ी पहुंचकर जैन पब्लिक स्कूलों के बसों की पड़ताल की तो बसें बिना परमिट के चलना पाया गया। फर्स्ट एड

बॉक्स भी नहीं मिला। स्कूल बस के रूप में संचालित होने के लिए बसों में जरूरी सुरक्षा संसाधन और सामग्रियों की कमी पाई गई। उड़नदस्ता की टीम ने विभिन्न खामियों पर कार्यवाही करते हुए 66 हजार रुपए समझौता शुल्क वसूल किया है। गौरतलब है कि स्कूली बच्चों के परिवहन में बसों के अलावा टाटा मैजिक, मिनी बस और ऑटो भी लगे हुए हैं। इन वाहनों में भी सुरक्षा मापदंडों की अनदेखी हो रही है। जिला मुख्यालय में ये हाल है तो आउटर और उपनगर में देखने की तो इन्हें और भी फुर्सत नहीं। बड़े-बड़े स्कूलों के लिए संचालित हो रही बसों में भी अनेक खामियां मिल जाएंगे। इनमें तो फिटनेस का भी उल्लंघन साफ तौर पर देखने को मिलेगा। तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रहे भोजराम पटेल फिर संतोष कुमार सिंह के द्वारा ऑटो चालकों को हिदायतें दी गई कि वे स्कूली बच्चों के परिवहन में लापरवाही ना बरतें। सभी ऐसे ऑटो और वाहनों में जाली नियमित रूप से लगाने निर्देशित किया गया है। इसके अलावा सामने की सीट पर बच्चों को बैठाकर परिवहन नहीं करने की भी हिदायत दी गई है लेकिन इसका कहीं भी कोई भी असर पूर्ण रूप से देखने को नहीं मिल रहा है, क्योंकि ऐसे लापरवाह वाहनों पर कार्रवाई करने में परिवहन विभाग हो या उसका उड़नदस्ता दल हो या फिर पुलिस की टीम हो, कोई कार्रवाई करते नजर नहीं आते।

परिवहन विभाग जिसका काम है कि वह यातायात नियमों का पालन कराए, वाहनों के फिटनेस आदि की समय-समय पर जांच करें लेकिन परिवहन विभाग द्वारा किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जाती जिसके कारन ऐसी घटनाये घटती है।

कुसमुंडा पर्सनल मैनेजर के पर्सनल असिस्टेंट एस के सारथी को बलात्कार मामले में किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

एसईसीएल कुसमुंडा परियोजना में पदस्थ एरिया पर्सनल मैनेजर के पर्सनल असिस्टेंट एसके सारथी को बलात्कार के मामले में जेल भेजा गया । अनाचार के आरोपी एसके सारथी के विरुद्ध रायगढ़ पुलिस ने गिरफ्तारी और जेल भेजने की कार्यवाही की है। कोतरा रोड थाना में पदस्थ एसआई गिरधारी साव ने बताया कि यह घटना 05 फरवरी 2023 की है। उक्त एसईसीएल कर्मचारी संतोष कुमार सारथी, पीड़िता और उसका पति किसी काम से एक साथ रायगढ़ आये थे। वहां से तीनों वापस कोरबा लौट रहे थे कि पति किसी काम से रास्ते में उतर गया और पत्नी को घर तक छोड़ने के लिए संतोष सारथी के साथ भरोसे में भेज दिया। पीड़िता का आरोप है कि संतोष सारथी ने रास्ते में सुनसान जगह पर जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म को अंजाम दिया। कोतरा रोड थाना में पीड़िता ने 07 फरवरी को मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी । संतोष कुमार सारथी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 72/23 पर धारा 376,506 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस आरोपी की तलाश में रायगढ़ से कुसमुंडा पहुंची थी। कुसमुंडा पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए उसके निवास व अन्य स्थानों पर दबिश दी गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार संतोष सारथी ने रायगढ़ पहुंचकर समर्पण कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कराया है।

कोरबा एन.टी.पी.सी प्रबंधन के खिलाफ राखड़ बांध से प्रभावित ग्रामीणों ने खोला मोर्चा,दस दिनों का दिया अल्टीमेटम

- संवाददाता -
कोरबा, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा एन.टी.पी.सी के धनरास राखड़ डेम से उड़ने वाले राखड़ से प्रभावित 06 गाव के ग्रामीणों एवं जिला पंचायत अध्यक्ष व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने धनरास स्थित राखड़ डेम के कार्यालय का घेराव किया, इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। एन.टी.पी.सी प्रबंधन के अधिकारियों के साथ घण्टों चर्चा के बाद ग्रामीणों ने 10 दिनों का समय देते हुए समस्या से निजात दिलाने अल्टीमेटम दिया है। यहाँ लोगों ने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा के एन.टी.पी.सी राखड़ बांध के कारन गावों के लोग राखड़ को खाने को मजबूर है खाने से लेकर पिने के पानी तक में राखड़ होने से उनके स्वस्थ्य में विपरीत प्रभाव पर रहा है जिससे गावों के लोग बीमार पर रहे है गावों वालों ने बताया के उनके खेत में भी राखड़ भर जाने से धान की पैदावार सही ढंग से नहीं हो सकी जिससे उन्हें आर्थिक नुक्सान भी उठाना पर रहा है द्व एन.टी.पी.सी प्रबंधन को राखड़ बाँध को लेकर अवगत कराया गया था पर प्रबंधन द्वारा गंभीरता से नहीं लेने के कारन ग्रामीण राखड़ खाने को मजबूर है द्व अब देखना होगा के ग्रामीणों द्वारा दिया गया 10 दिन की मोहलत को एन.टी.पी.सी प्रबंधन गंभीरता पूर्वक लेता है या फिर इस बार भी अस्वासन का सहारा लिया जाता है।

हाइब्रिड नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से 6361 मुकदमों का निराकरण

- संवाददाता -
कोरबा, 12 फरवरी 2023
(घटती-घटना)।

जिले में वर्ष 2023 में पहला हाईब्रिड नेशनल लोक अदालतों का जिला मुख्यालय व तहसील स्तर पर आयोजन किया गया, जिनमें आपसी समझौते के आधार पर 6361 प्रकरणों का निराकरण किया गया। न्यायालयों में कुल 10 हजार 924 प्रकरण रखे गये थे। इनमें न्यायालयों में लंबित प्रकरण 2006 एवं प्री-लिटिगेशन के 8918 प्रकरण थे। राजस्व मामलों के 5249 प्रकरण सहित कुल 133 प्री-लिटिगेशन प्रकरण तथा न्यायालयों में लंबित 979 प्रकरण थे।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा जिला एवं तहसील स्तर पर सभी मामलों से संबंधित नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री डी0एल0 कटकवार, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री बी. राम, अपर सत्र न्यायाधीश कु. संघपुष्पा भतपहरी, अपर सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.) कोरबा श्रीमती ज्योति अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा कृष्ण कुमार सूर्यवंशी, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-एक कोरबा हरीश

चंद्र मिश्र, जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष श्री सुरेश शर्मा, सचिव श्री नूतन सिंह ठाकुर, राज्य विधिज्ञ परिषद बिलासपुर के सदस्य श्री बीके शुक्ला दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम में उपस्थित थे। नालसा थीम सांग न्याय सबके लिये के साथ नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया।

बेसहारा बुजर्ग दंपत्ति को घर बैठे मिला न्याय

9 फरवरी 2020 को आवेदक बुजुर्ग दंपत्ति के जवान पुत्र की मृत्यु मोटर दुर्घटना में हो जाने के कारण आवेदकों ने समस्त मदों में कुल 36 लाख रुपये एवं इस पर 12 प्रतिशत वार्षिक व्याज की दर से क्षति रकम प्राप्त करने के लिए अनावेदक के विरूद्ध मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 166 के अंतर्गत न्यायालय के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। ऐसे में मृतक जो एकमात्र कमाने वाला सदस्य था की मृत्यु के पश्चात् बेसहारा बुजुर्ग दंपत्ति आवेदकों के लिये अत्यंत कठिन हो चला था। प्रकरण में आवेदक एवं अनावेदक बीमा कंपनी ने हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में संयुक्त रूप से समझौता कर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया। आवेदकों ने घर बैठे अपने अधिवक्ता के माध्यम से 15 लाख रुपये बिना किसी डर-दबाव के राजीनामा किया। जिसे 60 दिन के भीतर अदा किए जाने का निर्देश दिया गया। इस प्रकार घर बैठे बुजुर्ग आवेदकों को जीवन जीने का एक सहारा नेशनल लोक अदालत ने प्रदान किया।

सालों से चल रहे जमीन विवाद का हुआ समाधान

आवेदक के द्वारा अनावेदकगणों के विरूद्ध विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम 1963 के अंतर्गत रजिस्ट्री 2 मई 1997 को शून्य घोषित किए जाने एवं कब्जा एवं स्थायी निषेधाज्ञा बाबत वाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। वादभूमि को आवेदक के पिता ने वर्ष 1986 में क्रय किया था। उसके पश्चात् उक्त वादभूमि को अन्य दो अनावेदकगणों को विक्रय कर दिया गया तथा वाद भूमि अंतिम रूप से अनावेदक के नाम पर दर्ज किया गया था तथा लंबे समय से उक्त भूमि में विवाद की स्थिति आ गई थी। उक्त प्रकरण में आवेदक को न्यायालय के द्वारा प्रदान की गई समझाईश से आज 2 मई 1997 की वाद रजिस्ट्री को शून्य घोषित किए जाने एवं कब्जा एवं स्थाई निषेधाज्ञा बाबत् प्रस्तुत किया गया। चूंकि वर्तमान में अनावेदक वाद भूमि पर काबिज है और समस्त राजस्व दस्तावेजों में उनका नाम दर्ज हो चुका है इसलिए न्यायालय की समझाईश से आज नेशनल लोक अदालत में आपसी समझौता के आधार पर राजीनामा अनुसार अनावेदक ने 30 लाख रुपये प्रदान किया गया। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत गरीब आम जनों को न्याय प्रदान कर ''न्याय सबके लिए'' को चरितार्थ किया।

सालों की अनबन हुई दूर, दाम्पत्य जीवन की पुर्नस्थापना

आवेदक एवं अनावेदक का वर्ष 1983 में हिन्दू रिति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ था। विवाह से उन्हें दो संतानों की प्राप्ति हुई। विवाह के लगभग 21 वर्ष बाद आवेदक के व्यवहार में बदलाव आने लगा एवं अनावेदिका के मध्य आपसी सांमजस्य की कमी एवं अविश्वास के चलते आपस में अनबन एवं लड़ाई झगड़े होने शुरू हो गए। अनावेदक ने आवेदिका एवं उसके बच्चों के उचित देख-रेख एवं पालन पोषण करने में उपेक्षा की जाने लगी। कई बार आवेदिका एवं बच्चों को घर से बाहर निकालने का प्रयास किया गया तथा कई मध्यस्थों के समझाईश के बाद भी आवेदक के व्यवहार में बदलाव नहीं आया। इस पर आवेदिका ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। अनावेदक के क्रूरतापूर्वक व्यवहार से तंग आकर आवेदिका के द्वारा अनावेदक से मासिक भरण-पोषण भत्ता दिलाए जाने बाबत् धारा 125 सीआरपीसी के तहत आवेदन पेश किया गया। आज 11 फरवरी 2023 को आयोजित हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत में आवेदक एवं आवेदिका को साथ रह कर आपसी सामंजस्य के साथ जीवन जीने की समझाईश दी गई। आवेदक एंव अनावेदिका ने समझाईश को स्वीकार कर अपने दोनों बच्चों के भविष्य हेतु राजीनामा के आधार पर सुखपूर्वक एवं खुशहाल जीवन यापन हेतु बिना डर एवं दबाव के समझौता किया। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत ने बच्चों को माता-पिता का दुलार प्रदान करने एवं सुखमय जीवन यापन करने में सहायता प्रदान की।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

जल संसाधन संभाग बलरामपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

eProcurment Portal:https://eproc.cgstate.gov.in

द्वितीय आमंत्रण

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27.02.2023 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम निविदा क्रं/ निविदा सूचना क्रं दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
STN-124025/ 07/SAC/2022-23 09-02-2023	भुलसी जलाशय योजना के अंतर्गत बांध,हेड स्लूस सहित मुख्य नहर में मिट्टी का कार्य आर.डी. 0.00मी.से 3000.00 मी. तक एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य आर.डी. 1020 मी. से 1950.00 मी. 2 नग पक्के कार्य एवं 4 नग कुलाबा पाईप लगाने का कार्य।	Rs.196.00 Lakhs

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 16-02-2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किए जा सकते हैं।

नोटः 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदारों को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. 01.08.2010 (संशोधित 01.08.2014) के अनुसार है।
3. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022 के अनुसार है।

जी.नंबर -98441/2

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज(छ0ग0)

टी 20 विश्व कप में भारत ने किया जीत से आगाज

जेमिमा के अर्धशतक की बदौलत पाकिस्तान को रौंदा

नयी दिल्ली,12 फ रवरी 2023। साउथ अफ्रीका के केपटाउन में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप में जीत से आगाज किया है। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान बिस्माह के अर्धशतक की बदौलत पाक ने 149 रन का स्कोर बनाया। भारत ने जेमिमा रॉड्रिग्स के नाबाद 53 रन और ऋचा की तुफानी 31 रन के दम पर 3 विकेट नुकसान पर 151 रन बनाकर मैच जीत लिया।

टॉस जीतकर पाकिस्तान की कप्तान बिस्माह मारूफ ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पाक टीम को दूसरे ओवर में ही पहला झटका लगा। जवेरिया को 8 के निजी स्कोर पर दीप्ति ने हरमनप्रीत के हाथों कैच करवाया। वहीं, 42 के स्कोर मुनीबा भी आउट हो गई। इसके बाद कप्तान बिस्माह, निदा डार के साथ साझेदारी करने को सोच रही थी कि पूजा वस्त्राकर ने पाकिस्तान को तगड़ा झटका दिया।

अंत के ओवरों में पाकिस्तान ने बनाए तेजी से रन

पूजा ने निदा डार को शून्य पर आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद क्रीज पर आई अमीन भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 11 रन बनाकर राधा यादव का शिकार बनीं। इसके बाद कप्तान और आयशा ने पारी को संभाला। इसी बीच 45 गेंद पर बिस्माह ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं, आयशा ने तेजी से रन बनाना जारी रखा।

बिस्माह और आयशा ने पाकिस्तान के स्कोर को न सिर्फ 100 के पार पहुंचाया, बल्कि अंत के ओवर में तेजी से रन बनाए। पाकिस्तान ने 20 ओवर में 149 रन बनाए। बिस्माह 55 गेंद पर 68 रन, आयशा ने 25 गेंद पर 43 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत की तरफ से राधा ने दो विकेट लिए दीप्ती शर्मा और पूजा को एक-एक विकेट मिला।

जेमिमा और ऋचा ने भारत को दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली और यास्तिका ने भारत को तेज शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट लिए के 38 रन जोड़े। यास्तिका ने 17 रन और शेफाली ने 33 रन की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत ने 16 रन बनाए। इसके बाद जेमिमा और ऋचा ने नाबाद 58 रन की साझेदारी की। जेमिमा ने 38 गेंद पर नाबाद 53 रन बनाए। वहीं, ऋचा ने तुफानी पारी खेलते हुए 20 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाए।

फिट हो चुकी सिंधू ने कहा, मैं आश्वस्त और सकारात्मक हूं

नयी दिल्ली, 12 फरवरी 2023। बाएं पैर के स्ट्रेस फ्रेक्चर से पूरी तरह से उबरने के बाद फिट हो चुकी भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मौजूदा सत्र की आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर आश्वस्त और सकारात्मक हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने कहा कि उनकी चोट 'पूरी तरह से ठीक' हो चुकी है और वह अपना खेलते हुए अपना सब कुछ झोंक देंगी। अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों का महिला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद चोट के कारण बाहर सिंधू ने इस साल की पहली प्रतियोगिता पेट्रोनास मलेशिया ओपन 2023 के साथ वापसी की थी लेकिन उन्हें पहले दौर में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ तीन गेम में हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू इसके एक हफ्ते बाद स्वदेश में इंडिया ओपन में भी पहले दौर में बाहर हो गईं।

सिंधू ने विश्व बैडमिंटन महासंघ से कहा, ''मैं अब बिलकुल ठीक हूं। शारीरिक और मानसिक रूप से मैं पूरी तरह ठीक हूं। चोटें लगती रहती हैं लेकिन महत्वपूर्ण है कि आप अपने शरीर को स्वस्थ रखो और हर बार

मजबूत वापसी करो। मैं आश्वस्त, सकारात्मक हूं और अपनी गल्तियों से सीख रही हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे माता-पिता भी खिलाड़ी हैं। वे जो समर्थन और प्रेरणा देते हैं उससे मुश्किल समय में मुझे आगे बढ़ने का जज्बा मिलता है।'' पिछले साल सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशल, स्विस ओपन और सिंगापुर ओपन के रूप में तीन खिताब जीतने वाली सिंधू को एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर मौजूदा सत्र में इस सफलता को दोहराने की उम्मीद है।

दुनिया की नौवें नंबर की इस खिलाड़ी ने कहा, ''साथ ही आपको शत प्रतिशत प्रदर्शन करना होगा और मैं पूरी तरह से उबर चुकी हूं। लय में आने में समय लगता है। मैं इसी राह पर हूं।'' लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ सिंधू दुबई में मंगलवार से शुरू हो रही बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। हांगकांग में 2019 में हुए पिछले टूर्नामेंट में भारत नॉकआउट में जगह नहीं बना पाया था। भारत को इस बार ग्रुप बी में मेजबान यूएई, प्रबल दावेदार मलेशिया और कजाखस्तान के साथ रखा गया है।

रीयाल मैड्रिड ने अल हिलाल को हराकर आठवीं बार क्लब विश्व कप जीता

रबात ,12 फ रवरी 2023। विनिसियस जूनियर ने दो गोल दागे और करीम बेनजेमा को गोल करने में मदद की जिससे रीयाल मैड्रिड ने क्लब विश्व कप फाइनल में सऊदी अरब के अल हिलाल को 5-3 से हराकर अपने ही रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवीं बार खिताब जीता। शनिवार को फाइनल में यूरोपीय चैंपियन रीयाल मैड्रिड की ओर से दो अन्य गोल फेडेरिको वेलवर्डे ने किए। अल हिलाल की टीम मैच में कभी बढ़त नहीं बना पाई लेकिन उसने साबित किया कि ब्राजील के क्लब फ्लेमेंगो को हराकर फाइनल में जगह बनाना तुक्का नहीं था।

फाइनल में टीम की ओर से लूसियानो वीटो ने दो जबकि मोसा मारेगा ने एक गोल किया। विनिसियस ने 13वें मिनट में मैड्रिड को बढ़त दिलाई और फिर 69वें मिनट में टीम की ओर से पांचवां और अंतिम गोल दागा। इससे पहले टेंगियर में फ्लेमेंगो ने तीसरे स्थान के मुकाबले में मिस्त्र के क्लब अल आहली को 4-2 से हराया। दक्षिण अमेरिकी चैंपियन फ्लेमेंगो की ओर से पेड्रो और गैब्रियल बारबोसा ने दो-दो गोल किए। अल आहली की ओर से दोनों गोल अहमद अब्देल कादिर ने दागे।

अदिति अशोक मोरक्को में तीसरे स्थान पर

ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर कायम

रबात ,12 फरवरी 2023। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक तीसरे और अंतिम दौर में एक अंडर 72 के स्कोर से यहां एल मरयम कप में तीसरे स्थान पर रहीं। अंतिम दौर की शुरुआत छह अंडर के स्कोर से करने वाली इस भारतीय गोल्फर का कुल स्कोर सात अंडर रहा। स्वीडन की माजा स्टार्क ने अंतिम दौर में चार अंडर के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता।स्टार्क ने स्वीडन की ही लिन ग्रांट (68) को चार शॉट से पछाड़ा। यह स्टार्क का छठा लेडीज यूरोपीय टूर खिताब है। अदिति हालांकि अब भी 2023 रेस टू कोस्टा डेल सोल (ऑर्डर ऑफ मेरिट) में शीर्ष पर चल रही हैं। उन्हें 230 अंक मिले जिससे उनके 730 अंक हो गए हैं। स्टार्क को इस हफ्ते 500 अंक मिले जिससे वह दूसरे स्थान पर हैं।

दिग्गज खिलाड़ी जीन एरिक ने जीता फॉमुर्ला-ई-रेस का खिताब

नयी दिल्ली, 12 फरवरी 2023। डीएस पेंसके के अनुभवी ड्राइवर जीन एरिक वर्गेन ने हैदराबाद ई प्री में जीत हासिल की। इस फॉर्मूला ई रेस से भारत में शीर्ष स्तर की मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता की सफल वापसी हुई। इस 33 लैप की इलेक्ट्रिक रेस में वर्गेन को एन्विसन रेसिंग के निक कैसिडी से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह आखिर में उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहे। जब वर्गेन फिनिशिंग लाइन के पास पहुंचे तब उनकी गाड़ी में केवल 0।5प्रतिशत एनर्जी बची हुई थी।

पोर्श के एंटोनियो फेलिक्स दा कोस्टा ने तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें सेबेस्टियन बइमी पर लगे 17 सेकेंड के जुर्माने का फायदा मिला। अपनी पहली घरेलू रेसिंग में भाग ले रही महिंद्रा रेसिंग को ओलिवर रोलैंड ने एक अंक दिलाया। वह दसवें स्थान पर रहे। जीत के बाद वर्गेन ने कहा, 'मैं अपनी टीम के लिए काफी खुश हूं। ये तीन रेस काफी मुश्किल थीं। मुझे अपनी टीम पर गर्व है जिन्होंने हार नहीं मानी। हमारे पास अच्छी गाड़ी है। ये फिलहाल शायद बेस्ट नहीं है लेकिन हम इस बार और काम करेंगे।'

आयोजकों के लिए इस रेस का आयोजन करना आसान नहीं था। उनके पास समय की काफी कमी थी। पिछले साल नवंबर में ही ऐलान किया गया था कि हैदराबाद में ई रेस का आयोजन किया जाएगा। सरकार और आयोजकों ने इसके बाद जी जान लगाकर इस इवेंट का सफल आयोजन किया।

स्मृति मंधाना पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 मुकाबले से बाहर

मुबंई ,12 फरवरी 2023। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना उंगली में चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के पहले मैच से बाहर हो गई हैं। टीम के कार्यवाहक कोच हृषिकेश कानिटकर ने बताया कि स्मृति की उंगली में फ्रैक्चर नहीं है, जिसका मतलब है कि स्टार बल्लेबाज के 15 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मुकाबले में खेलने की संभावना बरकरार है। भारतीय टीम के लिये संतोष की बात

यह है कि कंधे की चोट से जूझ रही कप्तान हरमनप्रीत कौर को फिट घोषित किया गया है। हरमनप्रीत को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान कंधे में चोट लग गई थी।

कानिटकर ने मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा हरमन खेलने के लिए फिट है। उसने पिछले दो दिनों से नेट्स में बल्लेबाजी की है, वह ठीक है। स्मृति को उंगली में चोट लगी है और वह अभी भी चोट से उबर रही है, इसलिए वह नहीं खेल पाएगी।

बोकुम को हराकर बायर्न बुंदेसलीगा में शीर्ष पर बरकरार

बर्लिन ,12 फ रवरी 2023। थॉमस म्यूलर ने बायर्न म्यूनिख की ओर से रिकॉर्ड मुकाबले खेलने का जश्न गोल करके मनाया जिससे गत चैंपियन टीम बोकुम को 3-0 से हराकर बुंदेसलीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष पर बरकरार है। बायर्न की ओर से म्यूलर 428वां लीग मुकाबला खेल रहे थे जो क्लब के महान खिलाड़ी गर्ड म्यूलर से एक अधिक है। यह आउटफील्ड में खेलने वाले किसी खिलाड़ी के क्लब के लिए रिकॉर्ड मैच हैं। गोलकीपर ओलीवर काहन (429) और सेप मायर (473)

ने ही इससे अधिक मैचों में क्लब का प्रतिनिधित्व किया है। म्यूलर ने 41वें मिनट में बायर्न म्यूनिख को बढ़त दिलाई जिसके बाद किंग्सले कोमैन और सर्गेई गनेबरी ने भी एक-एक गोल दागा। इस जीत से बायर्न ने अंक तालिका में यूनियन बर्लिन पर एक अंक की बढ़त बनाए रखी है जिसने लेपजिग के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। बायर्न के 20 मैच में 43 जबकि बर्लिन के इतने ही मैच में 42 अंक हैं। अन्य मुकाबलों में बोरूसिया डोर्टमंड ने वर्डर ब्रेमेन को 2-0 से हराया जबकि होफेनहीम को बायर्न लीवरक्यूसेन के खिलाफ 1-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। फ्राइबर्ग ने स्टुटगार्ट को 2-1 से हराया जबकि मेंज ने ऑग्सबर्ग को 3-1 से शिकस्त दी।

दीपिका-प्रभास की प्रोजेक्ट के दो भागों में होगी रिलीज

दीपिका पादुकोण और प्रभास जल्द ही पैन इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट के में दिखेंगे। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है क्योंकि इसके जरिए दीपिका-प्रभास पहली बार साथ काम कर रहे हैं, वहीं फिल्म में अमिताभ बच्चन भी हैं, जो इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाते हैं। अब खबर है कि यह फिल्म बाहुबली की तरह भव्य होगी और इसे भी दो भागों में रिलीज करने की योजना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोजेक्ट के को बनाने की निर्देशक की सोच बहुत बड़ी है, जिसके चलते इसे दो भागों में रिलीज करने का फैसला किया गया है। यह बाहुबली की तरह होगी और भारतीय सिनेमा की बड़ी फिल्म होगी। वैजयंती मूवीस फिल्म का निर्माण कर रही है, जिसके सिनेमा निर्माण में 50 साल पूरे हो रहे हैं। पहले भाग की शूटिंग पूरी हो गई है। फिलहाल दूसरे भाग की शूटिंग की जा रही है। दोनों अलग-अलग समय पर रिलीज होंगे। मूल रूप से यह तेलुगु में बन रही है, जिसे ना सिर्फ हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में, बल्कि अंग्रेजी भाषा में भी रिलीज करने की योजना है। इस फिल्म में अमिताभ की भूमिका महाभारत के अश्वत्थामा से प्रेरित है, वही प्रभास एक सुपरहीरो के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में ऐसे विजुअल दिखाए जाएंगे, जिन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। यह तीसरे विश्व युद्ध की संभावना पर आधारित है। फिल्म के निर्देशक और लेखक नाग अश्विन हैं।

शॉर्ट्स में बला की खूबसूरत लग रहीं हैं नेहा मलिक

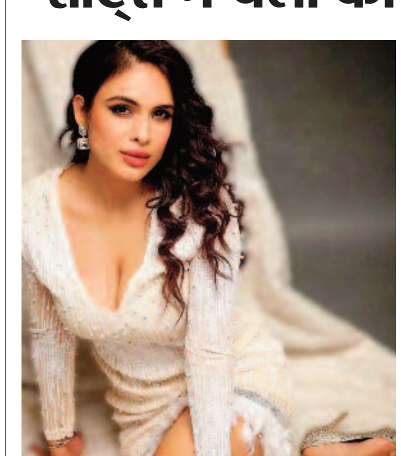

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी रहती है। नेहा मलिक ने बहुत कम समय में इंडस्ट्री में ऐसा मुकाम हासिल किया है, जिसके वजह से आज वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है। हाल ही में उनके लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के एक बार फिर से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। अभिनेत्री नेहा मलिक आए दिन अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट शॉर्ट्स के साथ शाइनी लुक में क्रॉप शर्ट पहनी हुई है, जिसमें उन्होंने ओपन बटन किया है। ओपन बटन में कर के नेहा मलिक ने डीप नेक क्लीवेज फ्लॉन्ट कर कैमरे के सामने बेहद ही बोल्ड पोज दिए हैं। नेहा मलिक ने अपने बालों को स्टाइलिश लुक देते हुए कर्ली करवाए हैं और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के आउटलुक कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती रहती हैं। फैंस को भी नेहा मलिक का हर एक लुक बेहद पसंद आता है। बता दें कि एक्ट्रेस इन तस्वीरों में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि उनकी इंस्टाग्राम पर काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

यह बेहद खुशी की बात है कि लोग एंटी-हीरो को सपोर्ट कर रहे हैं : जॉन अब्राहम

वर्तमान में पठान की सफलता का आनंद ले रहे अभिनेता जॉन अब्राहम को उम्मीद है कि फिल्म में उनके किरदार जिम का प्रीक्वल बनाया जाएगा, जो उनकी पिछली कहानी को उजागर करेगा। जॉन ने कहा, पठान में जिम की भूमिका निभाने के लिए मुझे जो प्यार मिल रहा है, वह अविश्वसनीय है! एक अभिनेता के रूप में, मैं केवल दर्शकों और प्रशंसकों के प्यार के लिए काम करता हूं।

मैं आभारी हूं कि मैंने पठान जैसी ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर फिल्म में काम किया है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि लोग मेरे किरदार को इतना पसंद करेंगे कि वे जिम को और अधिक चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने सोशल मीडिया पर रोजाना मिलने वाले संदेशों की संख्या से चकित हूं कि कैसे जिम के लिए एक प्रीक्वल होना चाहिए। जब लोग लगभग हमेशा नायक के लिए समर्थन करते हैं और वह नायक पठान में शाहरुख खान हैं। मैं भाग्यशाली हूं कि पठान में मेरे काम ने जोर से बात की है और उम्मीद है, मैं लोगों को एक एंटी-हीरो देने में कामयाब रहा हूं जिसे वे हमेशा याद रखेंगे।

संक्षिप्त समाचार

विजय जांगिड़ बनाये गए छत्तीसगढ़ के नए संयुक्त सचिव

रायपुर,12 फरवरी 2023(ए)। राजस्थान के विजय जांगिड़ को छत्तीसगढ़ का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। जांगिड़ पीसीसी प्रभारी कुमारी शैलजा के साथ कामकाज करेंगे। इस संबंध में एआईसीसी ने अप्वाइंटमेंट लेटर जारी किया है। बता दें कि अभी प्रभारी कुमारी शैलजा के साथ प्रभारी सचिव के रूप में चंदन यादव और सप्तगिरि शंकर उल्का है। अब विजय जांगिड़ की नियुक्ति संयुक्त सचिव के रूप में हुई हैं।

बीजेपी नेताओं की हत्याओं पर सीएम बघेल का रिएक्शन

भाजपा चाहे तो एनआईए से जांच करा ले, हमें कोई ऐतराज नहीं

रायपुर,12 फरवरी 2023(ए)। बस्तर में भाजपा नेताओं की हो रही हत्याओं को लेकर माहौल गर्म है। बीते दिनों नक्सलियों ने कई नेताओं की घर में घुसकर हत्या की है। भाजपा इसमें साजिश का आरोप लगा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी इसे तूल दिया है। अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है, भाजपा चाहे तो इन हत्याओं की जांच एनआईए केंद्रीय अन्वेषण अभिकरण से करा ले, उन्हें कोई ऐतराज नहीं है।

भेंट-मुलाकात से लौटे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर हेलीपैड पर पत्रकारों से बात की। भाजपा के आरोपों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, नक्सली घटना से तो इन्कार नहीं कर रहे हैं ना। भीमा मंडावी जी की हत्या हुई उसमें हमारी पुलिस जांच कर रही थी। इन्होंने एनआईए भेजा। एनआईए की रिपोर्ट में क्या आया, यह किसी को पता है। अब इस घटना को चाहे तो एनआईए ले सकती है। वह तो बिना राज्य सरकार की सहमति के भी लेती है। उनसे करा लें जांच हमको कोई ऐतराज नहीं है। सेंट्रल एजेंसी से जांच करा लें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया कि नक्सली कमजोर हो गए हैं। इसकी वजह से इस तरह की हत्याएं कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, नक्सलियों ने अपनी रणनीति बदली है। वे पहले हमला करते थे। अब घर जाकर हत्या कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि उनकी ताकत कम हुई है। वे कमजोर हुए हैं और सिमट भी गए हैं। आप

रिकॉर्ड निकालकर देखेंगे तो हमने लगभग 600 गांव नक्सलियों से खाली कराया है। यह हमारे वीर बहादुर जवानों की ताकत है। वहां 300 स्कूल फिर से प्रारंभ किए हैं जो भाजपा शासनकाल में बंद हो गए थे। आंकड़े आप देखेंगे तो पाएंगे कि पिछले साल सबसे कम नागरिक हताहत हुए हैं। सबसे कम हथियार लूटने की खबर है। सबसे कम हमारे जवानों के हताहत होने की खबर है। इस तरह देखें तो नक्सलवाद काफी पीछे हटा है और यह हमारे विश्वास, विकास और सुरक्षा की नीति से संभव हुआ है।

मोदी-योगी पर शंकराचार्य के बयान को सही बताया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हिंदुत्व को लेकर मोदी-योगी पर शंकराचार्य के बयान को सही बताया है। उन्होंने कहा, ये धर्म के नाम पर वोट भर ले सकते हैं। उनके हित में कोई काम नहीं कर सकते। हिंदू और हिंदुत्व के नाम पर वोट लेने का काम किया। सरकार में आये, एक बार नहीं दो बार आये, लेकिन हिंदुओ को मिला क्या? महंगाई, बेरोजगारी, नफरत, हिंसा! इसके अलावा मिला क्या इस देश को? ये कभी गाय माता की जय बोलते हैं, गाय माता के नाम पर वोट भी ले लेते हैं, लेकिन सेवा के नाम पर जीरो। गौ माता की सेवा तो यहां कांग्रेस की सरकार कर रही है। निरंतर यह कोशिश कर रहे हैं कि इसको और बेहतर कैसे कर सकते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर राज्यपालों का हुआ तबादला

- » विश्व भूषण हरिचंदन छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल
- » अनुसुइया उइके का मणिपुर,रमेश बैस बने महाराष्ट्र के राज्यपाल

रायपुर,12 फरवरी 2023(ए)। विश्व भूषण हरिचंदन छत्तीसगढ़ के

नए राज्यपाल होंगे। वहीं मौजूदा राज्यपाल अनुसुइया उइके मणिपुर की राज्यपाल होंगी। केंद्र सरकार ने कई राज्यों के राज्यपाल बदले हैं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। इसके अलावा दर्जनभर राज्यों में भी बड़ा फेरबदल हुआ है। लद्दाख के उप-राज्यपाल राधा कृष्ण माथुर का भी इस्तीफा मंजूर हो गया है। झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस महाराष्ट्र के राज्यपाल बनाए गए है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बीडी मिश्रा लद्दाख के उपराज्यपाल बनाए गए है। वहीं, पूर्व वित्त राज्यमंत्री शिवप्रताप शुक्ला हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं।

बजाज ने रमेश बैस को महाराष्ट्र तथा हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किये जाने पर बधाई दी है

जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बजाज ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किये जाने तथा आंध्रप्रदेश के राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ राज्य का राज्यपाल नियुक्त किये जाने का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह प्रति आभार प्रकट किया।

बिस्वा भूषण हरिचंदन को छत्तीसगढ़ के नये राज्यपाल नियुक्त होने पर मुख्यमंत्री बघेल ने दी शुभकामनाएँ

अनुसुइया उइके को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं आंध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे बिस्वा भूषण

हरिचंदन को छत्तीसगढ़ का नया राज्यपाल बनाया गया है। हरिचंदन पड़ोसी राज्य ओडिशा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नये राज्यपाल की नियुक्ति का स्वागत किया है। उन्होंने लिखा ङ्क मैं छत्तीसगढ़ की ओर से हमारे नये संवैधानिक अभिभावक का स्वागत करता हूं।

बता दें कि अनुसुईया उइके को सरकार ने 16 जुलाई 2019 को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्ति किया था। उन्होंने 17 जुलाई को कार्यभार ग्रहण कर लिया था। ठीक एक महीने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की नई सरकार ने काम शुरू किया था। मुख्यमंत्री को शपथ ग्रहण मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तत्कालीन राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कराया था। अब जब नवम्बर में विधानसभा का फिर से चुनाव होने जा रहा है, अनुसूईया उइके को यहां से हटाकर मणिपुर भेज दिया गया है।

राज्यपाल से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की मुलाकात, मणिपुर का राज्यपाल बनाये जाने पर दी बधाई

राज्यपाल अनुसुईया उइके से आज राजभवन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सौजन्य मुलाकात की और उन्हें मणिपुर का राज्यपाल बनाए जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के विकास में राज्यपाल का संवैधानिक प्रमुख के रूप उनके सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

आरक्षण पर फिर आक्रामक मुख्यमंत्री बघेल

राज्यपाल मेरी बड़ी बहन हैं लेकिन...

रायपुर,12 फरवरी 2023(ए)। आरक्षण के मुद्दे पर सरकार और राजभवन के बीच घमासान जारी है। एक और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य के युवाओं के हित में आरक्षण लाने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं, वहीं राज्यपाल विस्तार से समझने के बाद आगे बढ़ने पर अड़े हुए हैं।

इस बीच सीएम भूपेश बघेल एक बार फिर आक्रामक नजर आए। मीडिया द्वारा आरक्षण पर पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि राज्यपाल का मैं बहुत सम्मान करता हूं। वे मेरी बड़ी बहन समान हैं। लेकिन, छत्तीसगढ़ के हित की बात आए या फिर जिससे युवाओं का नुकसान हो, उसे मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। वे मीडिया से बात कर रहे थे। पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से आरक्षण पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि जहां तक राज्य के हित की बात है, ख़ासकर नौजवानो की, क्योंकि आरक्षण इन्ही लोगों को मिलना है चाहे ओबीसी हो, एससीएसटी हो ईडबल्यूएस हों, इनका नुक़सान बर्दाश्त नहीं है। इसमें भारतीय जनता पार्टी के हाथों में राजभवन खेल रहा है ये दुर्भाग्य पूर्ण है।

गौरतलब है कि, आरक्षण मामले में राज्यपाल सचिवालय को जारी नोटिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। आरक्षण पर लगाई गई याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राजभवन सचिवालय को नोटिस जारी की थी, जिस पर रोक लगा दी गई है।

प्रदेश कांग्रेस महामंत्री का कड़ा प्रहार

बोले- नौकरी देने वाले भूपेश सरकार का आरक्षण बिल क्यों लटकाया?

रायपुर,12 फरवरी 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार को आराम और भाजपा को काम देने के भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के बयान पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री राजेंद्र साहू ने कड़ा प्रहार किया है। राजेंद्र ने कहा कि नड्डा का यह बयान बेहद हास्यास्पद है। हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा भूल चुके भाजपा नेताओं को ऐसी झूठी बयानबाजी करना शोभा नहीं देता।

नड्डा पहले यह बताएं कि साढ़े 8 साल के कार्यकाल में मोदी सरकार ने देश के 18 करोड़ युवाओं को रोजगार क्यों नहीं दिया। देश के करोड़ों युवा आज भी नौकरी का इंतजार कर रहे हैं। वादे के मुताबिक मोदी सरकार ने किसानों के लिए ऐसी योजना क्यों नहीं बनाई, जिससे उनकी आय दोगुनी होती। आज भी किसान मोदी सरकार की योजना का इंतजार कर रहे हैं, ताकि उनकी आमदनी दोगुना हो सके। राजेंद्र ने नड्डा के बयान पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने 15 साल तक भाजपा की रमन सरकार को काम दिया, लेकिन उस दौरानकिसान आत्महत्या के लिए मजबूर होते रहे। किसानों को न बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य मिला, न वादे के मुताबिक बोनस दिया गया। यहां के युवा रोजगार के लिए तरसते रहे। आदिवासियों की जमीन उद्योगपतियों को दे दी गई। 15 साल के कार्यकाल में रमन सरकार द्वारा की गई लूट को प्रदेश की जनता ने देखा है।

राजेंद्र ने कहा कि नड्डा आरक्षण को लेकर कोई बयान क्यों नहीं दे रहे। महामहिम राज्यपाल ने पहले कहा था कि दो मिनट के भीतर आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किया। बाद में उन्होंने कहा कि मार्च में हस्ताक्षर कर देंगी, लेकिन मार्च से पहले ही उनको हटा दिया गया। अगर अनसुईया उइके मार्च तक राज्यपाल रहती, तो शायद वे वादे के मुताबिक मार्च में आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर कर देती। लेकिन, शुरू से आदिवासी विरोधी रहे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें हटा दिया।

भूपेश सरकार ने प्रदेश के युवक-युवतियों, महिलाओं और पुरुषों को भरपूर रोजगार दिया है। पूरे देश में बेरोजगारी दर 8.7 प्रतिशत है, जबकि छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर सिर्फ 0.4 प्रतिशत है। मोदी सरकार देश के 18 करोड़ युवाओं को रोजगार देने की फिक्र करे। छत्तीसगढ़ के युवाओं को रोजगार मिल रहा है। किसान खुशहाल हैं। उन्हें अनाज का दाम भरपूर मिल रहा है।

राजेंद्र ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की डबल इंजन सरकार है, उन राज्यों की जनता का बुरा हाल है। उन राज्यों में किसानों की हालत बदतर है। नौकरी दे पाने में असफल रहे मोदी सरकार को आरक्षण के मुद्दे पर अड़ंगा लगाने की बजाय रोजगार के अवसर पैदा करना चाहिए। भूपेश सरकार ने विकास भी किया है और किसानों, आदिवासियों की आर्थिक समृद्धि भी बढ़ाने का काम भी किया है।

राजेंद्र ने कहा कि मोदी सरकार की तारीफ करने वाले नड्डा को यह भी बताना चाहिए कि केंद्र की मोदी सरकार के राज में किसानों की आय घटी है। महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, अनाज, खाद्य पदार्थ, रासायनिक खाद सहित सभी वस्तुओं की कीमत बढ़ने से आम जनता त्रस्त हो चुकी है। नड्डा आखिर किस मुंह से कह रहे हैं कि मोदी सरकार अच्छा काम कर रही है।

सुरक्षाबलों के जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

5 नक्सली घायल, एसपी ने की पुष्टि

कांकेर ,12 फरवरी 2023(ए)। कांकेर में रविवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में चार से पांच नक्सलियों के घायल होने की खबर है। बीएसएफ और डीआरजी के जवान सर्चिंग पर निकले थे। इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि एलएमजी और हेंडग्रेनेड से भी हमला किया गया है। जवानों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इसके बाद नक्सली वहां से भाग निकले। मुठभेड़ की पुष्टि एसपी शलभ सिन्हा ने की है।

एक घंटे चली मुठभेड़

जानकारी के मुताबिक, छोटे बेठिया थाने से जवान सुबह गश्त पर निकले थे। इस दौरान सुबह करीब 7 बजे आल्दंड के जंगलों में नक्सलियों ने जवानों पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में नक्सली वहां से भाग गए, लेकिन तीन घंटे बाद फिर करीब 10 बजे नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। नक्सलियों ने एके-47, ऑटोमैटिक राइफल, हैंडग्रेनेड, एलएमजी से हमला किया। करीब एक घंटे तक मुठभेड़ चलती रही। बताया जा रहा है कि वहां 80 से ज्यादा नक्सली जमा थे।

बड़े नक्सली लीडरों के भी होने की संभावना

नक्सलियों के भागने के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। अतिरिक्त फोर्स भी भेजी गई है। कई अफसर भी मौके पर पहुंच गए हैं। फिलहाल सर्चिंग पार्टी अभी लौटी नहीं है। उनके आने के बाद ही विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। अफसरों के मुताबिक, वहां परसापुर एरिया कमेटी के साथ ही नक्सलियों की माड़ डिवीजन के भी सदस्य मौजूद थे। इनके साथ ही बड़े नक्सली लीडर शेखर, विजय रेड्डी, जयमति की होने की संभावना है। घायल नक्सलियों को उनके साथी लेकर भागे हैं। कई को खाट पर ले गए।

कांकेर में लगातार जारी है नक्सलियों से मुठभेड़

कांकेर में नक्सलियों की आमद एक बार फिर तेज हुई है। इससे करीब दो सप्ताह पहले 28 जनवरी को भी आमाबेड़ा क्षेत्र के उसेली के जंगल मे मुठभेड़ हुई थी। करीब 40 मिनट चली इस मुठभेड़ के बाद नक्सली भाग निकले थे। मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने का भी दावा किया गया। सर्चिंग के दौरान जवानों ने वहां से भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की थी।

सर्चिंग के दौरान सीआरपीएफ के जवानों को मिली 3 किलो की आइईडी बम

सुरक्षाबलों ने किया डिफ्यूज

रायपुर/बीजापुर ,12 फरवरी 2023(ए)। सीआरपीएफ के जवान को बड़ी सफलता मिली है. जहां सर्चिंग के दौरान 3 किलो का आइईडी बम बरामद करने के बाद डिफ्यूज कर दिया। बता दें कि थाना आवापल्ली और केंद्रीय रिजर्व पुलिस की 196 सीतापुर कैंप द्वारा आरओपी के दौरान मार्ग पर स्थित शिव मंदिर के पास मुख्य मार्ग से 50 मीटर की दूरी पर पगडंडी से एक तीन किलो का प्रेशर आइईडी बरामद किया है।

नक्सलियों ने रोड ओपनिंग के लिये निकली सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के लिये प्रेशर आइईडी लगाया गया था। सुरक्षा बलों की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। आइईडी की बरामदगी के बाद बीजापुर बीडीएस की टीम ने मौके पर विस्फोटक को निष्क्रिय कर दिया। नक्सली पगडंडी मार्ग पर अक्सर प्रेशर आइईडी लगाकर जवानों को नुकसान पहुंचाने का काम करते आ रहे हैं।

मोहन मरकाम ने कहा आदिवासी दिवस के दिन ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को पद से हटाया था

रायपुर,12 फरवरी 2023 (ए)। राज्यपाल अनुसुईया उइके को पद से हटाए जाने के बाद चीफ मोहन मरकाम ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। मोहन मरकाम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार आदिवासी विरोधी है। उन्होंने आदिवासी दिवस के दिन ही भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को पद से हटाया था। इसके बाद अब भाजपा राष्ट्रिय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरे के बाद राजपाल को उनके पद से हटा दिया गया। राज्यपाल आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर करना चाहती थी, लेकिन भाजपा की तरफ से लगातार उनपर दबाव बनाया जा रहा था। चीफ मोहन मरकाम ने कहा कि राज्यपाल विधेयक पर हस्ताक्षर करना चाहती थी, इसलिए उनका तबादला कर दिया गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस में पथराव मामले में पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया

एक दर्जन नाबालिगों को दी चेतावनी

बिलासपुर ,12 फरवरी 2023(ए)। दाधापारा और बिलासपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस में किए गए पथराव को लेकर पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से 3 के खिलाफ रेल अधिनियम की धारा 147 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। हिरासत में लिए गए एक दर्जन नाबालिगों को उनके अभिभावकों से लिखित आश्वासन लेकर छोड़ दिया गया। ज्ञात हो कि वंदे भारत ट्रेन में नागपुर से बिलासपुर के बीच पथराव की 6 घटनाएं अब तक हो चुकी हैं। एक घटना पिछले दिनों बिलासपुर में हुई थी। आरपीएफ पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से अभियान चला रही है। इसी कड़ी में इंद्रपुरी एरिया और कोचिंग कंपलेक्स के आसपास गश्त भी बढ़ाई गई है।

नक्सलियों ने पूर्व सरपंच को उतारा मौत के घाट

रायपुर/दंतेवाड़ा ,12 फरवरी 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है. जहां एक बार फिर से नक्सलियों का कारनामा करतूत देखने को मिला है. दंतेवाड़ा के बारसूर थाना क्षेत्र के हितामेटा गांव के पूर्व सरपंच की हत्या कर दी गई है. पूर्व सरपंच रामधर आलमी 50 वर्ष की नक्सलियों ने चाकू मार कर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार पूर्व सरपंच पारिवारिक कार्य से मुरुमवाडा नारायणपुर जिले के एक गांव में गए हुए थे। ये गांव हांदावाड़ा जलप्रपात के पास है, जहां नक्सलियों ने शनिवार रात को रामधर की हत्या कर दी है। नक्सलियों ने घटना स्थल पर एक पर्चा भी फेंका है, जिस पर पूर्व सरपंच पर 2017 से पुलिस की सरेंडर पाल्सी में सहयोग करने, गोपनीय सैनिक का काम करने, बोदघाट परियोजना में पैसा खाने का आरोप लगाया गया है। नक्सलियों ने लिखा है तीन बार समझाइश के बाद भी पूर्व सरपंच जनविरोधी कार्य कर रहा था इसलिए इसे सजा दिया जा रहा है। नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने इस हत्या की जवाबदारी ली है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)